राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार,17 जनवारी–2023 वर्ष–5,अंक–350 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जल्लीकट्टू के दौरान 60 लोग घायल, प्रशासन अलर्ट, 2000 पुलिसकर्मी तैनात

मदुरै। मकर संक्रांति के पर्व के साथ ही तमिलनाडु में जल्लीकट्टू का आयोजन भी शुरू हो गया है। इसे लेकर प्रशासन भी अलर्ट हो गया है। बता दें कि पोंगल से लेकर अगले 4 दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में रविवार को मदुरै के अवानियापुरम इलाके में करीब 60 लोग घायल हो गए। इनमें से 20 गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें राजाजी अस्पताल रेफर कर दिया गया है। मदुरै के जिला कलेक्टर अनीश शेखर ने बताया कि सामान्य रूप से घायल लोगों को प्राथमिक इलाज के बाद घर भेज दिया गया है। आयोजन के दौरान अभी तक किसी की मौत की खबर नहीं है। जिला कलेक्टर ने पालामेडु इलाके में जल्लीकट्टू के आयोजन पर बताया कि सभी जरूरी इंतजाम कर दिए गए हैं। जगह-जगह बैरीकेड लगाकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि जल्लीकट्टू के आयोजन के दौरान बैल और खेल में भाग लेने वाले सभी लोग सुरक्षित रहें। साथ ही दर्शकों की सुरक्षा का भी ख्याल रखा गया है। विभिन्न जगहों पर करीब 2000 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। जिला कलेक्टर ने बताया कि हम उम्मीद कर रहे हैं कि किसी को चोट ना लगे लेकिन अगर कोई घायल हो जाता है तो उसके इलाज के पूरे इंतजाम किए गए हैं। अनीश शेखर ने बताया कि हम उम्मीद कर रहे हैं कि सबकुछ आराम से संपन्न हो जाए। बता दें कि जल्लीकट्टू तमिलनाडु के ग्रामीण इलाकों में खेला जाने वाला पारंपरिक खेल है, जिसमें बैलों की इंसानों से लड़ाई होती है। जल्लूकट्टू को तमिलनाडु के गौरव और संस्कृति का प्रतीक माना जाता है। हालांकि इस आयोजन के दौरान कई बार लोग गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने जल्लीकट्टू के आयोजन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे। हालांकि सभी इंतजामों के बावजूद काफी लोग जल्लीकट्टू के दौरान घायल हो जाते हैं।

मैं तो दरी भी बिछा लूंगा, एमपी में बदलाव की चर्चाओं के बीच बोले शिवराज सिंह चौहान

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैं तो एक आम कार्यकर्ता ही हूं। अपने बारे में कोई फैसला नहीं ले सकता। मध्य प्रदेश में इसी साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं और उससे पहले बदलाव के संकेत हैं।

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश सरकार और संगठन में बदलाव के कयासों के बीच सीएम शिवराज सिंह चौहान का अहम बयान आया है। उन्होंने कहा कि मैं तो पार्टी के कार्यक्रमों में भी दरी भी बिछाने के लिए तैयार हूं। मैं अपने बारे में कोई भी फैसला खुद नहीं कर सकता। मध्य प्रदेश के सबसे लंबे समय तक सीएम रहने वाले शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैं तो एक आम कार्यकर्ता ही हूं। अपने बारे में कोई फैसला नहीं ले सकता। मध्य प्रदेश में इसी साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं और उससे पहले राज्य सरकार में परिवर्तन होने की चर्चाएं तेज हैं। इसके अलावा संगठन में भी अहम फेरबदल किए जा सकते हैं।

इसी संबंध में सवाल किए जाने पर शिवराज सिंह चौहान ने इकनॉमिक टाइम्स से कहा, %मैं पार्टी के लिए क्या काम करूंगा। यह फैसला खुद नहीं ले सकता।

यदि पार्टी मुझे कहती है कि मैं कार्यक्रमों में दरी बिछाऊं तो वह मैं करूंगा। एक अच्छा

● इसी रणनीति के तहत कैबिनेट में भी बदलाव हो सकता है और कुछ नए चेहरों को लाया जा सकता है। माना जा रहा है कि इनके जरिए भाजपा क्षेत्रीय और जातीय समीकरण साधने का प्रयास करेगी। बीते करीब दो दशकों से शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश में भाजपा के सबसे कद्दावर नेता बने हुए हैं।

कार्यकर्ता वही होता है, जो अपने लिए खुद ही फैसले न करे। यह पार्टी पर ही छोड़ना चाहिए कि वह तय करे कि कौन सा कार्यकर्ता किस लेवल पर अच्छा काम कर सकता है। हाल ही में इंदौर में प्रवासी भारतीय दिवस का सफल आयोजन करने वाले शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश में मामा जैसे उपनाम से लोकप्रिय रहे हैं। फिलहाल वह दिल्ली में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में हिस्सा लेने आए हैं।

गुजरात का फॉर्मूला एमपी में भी लागू करने की तैयारी

राज्य में भाजपा की चुनावी तैयारियों को लेकर शिवराज ने कहा कि हमें जीत का भरोसा है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए तो हर साल ही चुनावी वर्ष होता है। हम हमेशा चुनाव के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव की टेंशन तो उन लोगों को होती है, जो 4 साल तक काम नहीं करते हैं और चुनावी वर्ष में ही काम शुरू करते हैं। भाजपा ने मध्य प्रदेश चुनाव के लिए पहले ही तैयारियां तेज कर दी हैं। चर्चा है कि गुजरात चुनाव की तर्ज पर यहां भी करीब 40 फीसदी विधायकों के टिकट काटे जा सकते हैं ताकि ऐंटी-इनकम्बैंसी को मात दी जा सके।

क्यों मामा के लिए पहले के मुकाबले ज्यादा दिख रही टेंशन

इसी रणनीति के तहत कैबिनेट में भी बदलाव हो सकता है और कुछ नए चेहरों को लाया जा सकता है। माना जा रहा है कि इनके जरिए भाजपा क्षेत्रीय और जातीय समीकरण साधने का प्रयास करेगी। बीते करीब दो दशकों से शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश में भाजपा के सबसे कद्दावर नेता बने हुए हैं। हालांकि कुछ सालों से राज्य में सत्ता के कई केंद्र बनते दिखे हैं। एक तरफ ज्योतिरादित्य सिंधिया का चंबल क्षेत्र में अच्छा प्रभाव है तो वहीं उमा भारती भी सक्रिय रहती हैं और खासतौर पर ओबीसी वोटरों पर अपना असर रखती हैं। वहीं नरोत्तम मिश्रा और प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा को लेकर भी हमेशा से चर्चाएं रही हैं।

कोहरे ने राजधानी एक्सप्रेस की रफ्तार पर लगाई लगाम

339 ट्रेनें कैंसिल, 13 चल रही हैं लेट

नई दिल्ली। कोहरे की वजह से भारतीय रेल ने आज कई ट्रेनों को कैंसिल कर दिया है। रेलवे ने आज देशभर में चलने वाली 339 को कैंसिल कर दिया है, जबकि 13 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। कोहरे ने राजधानी एक्सप्रेस की भी स्पीड को धीमी कर दी है, यह ट्रेन 5 घंटे लेट से चल रही है। यदि आप भी कहीं जाने के लिए घर से निकलने वाले हैं तो अपने ट्रेन का स्टेटस जरूर जांच कर लें। रेलवे ने कोहरे के कारण लेट चल रही और कैंसिल ट्रेनों की लिस्ट जा की है। कोहरे की वजह से नॉर्दन रेलवे की 13 ट्रेनें लेट चल रही हैं। जिसमें राजधानी एक्सप्रेस भी शामिल है। इस लिस्ट के मुताबिक, कई 5 घंटे की देरी से चल रही है।

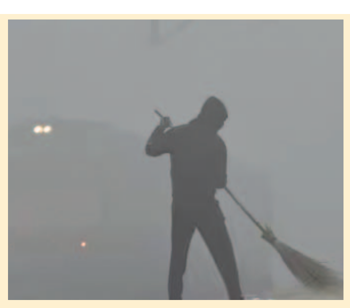

● उत्तर भारत में लगातरा पड़ रहे कोहरे ने ट्रेनों की रफ्तार पर लगमा लगा दी है। कोहरे की वजह से 339 ट्रेनें कैंसिल कर दी गई हैं, जबकि 13 ट्रेनें देरी से चल रही है, जिनमें राजधानी एक्सप्रेस 5 घंटे लेट है।

जाहिर है इससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामान करना पड़ रहा होगा।

देरी से चल रही हैं ये ट्रेनें– ज्यादातर ट्रेनों को बड़ी संख्या में कोहरे की वजह से रद्द कर दिया गया है। इसमें से कई ऐसी ट्रेन हैं जहां रूट पर काम चलने के वजह से या तो उन्हें कैंसिल कर दिया गया है या उनका रूट को डाइवर्ट कर दिया गया है। भारतीय रेलवे ने नेशनल ट्रेन इन्क्वायरी सिस्टम की वेबसाइट पर कैंसिल सभी ट्रेनों की लिस्ट जारी की है।

त्रिपुरा में गौमूत्र पर सियासत

कांग्रेस और वामदल के गठबंधन पर बीजेपी के मंत्री ने साधा निशाना

नई दिल्ली। त्रिपुरा के कानून मंत्री रतन लाल नाथ ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा है कि लोकतंत्र की बात करने से पहले दोनों विपक्षी दलों - सीपीएम और कांग्रेस को अपना मुंह गौमूत्र से धोना चाहिए। नाथ ने सीपीएम पर चल रही चर्चा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, उन्हें लोकतंत्र के बारे में बोलने से पहले अपने मुंह को गौमूत्र से धोना चाहिए। त्रिपुरा के कानून मंत्री रतन लाल नाथ ने आरोप लगाया कि वाममोर्चा के शासन के दौरान हजारों कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को सीपीएम के बदमाशों ने मार डाला। नाथ ने व्यंग्यात्मक रूप से दोनों पार्टी के आपसी गठजोड़ पर कहा, त्रिपुरा के लोग करारा जवाब देंगे और उन्हें बताएंगे कि क्या है। पूर्व मुख्यमंत्री समीर रंजन बर्मन का नाम लिए बगैर नाथ ने कहा कि पिता (समीर रॉय बर्मन) ने वामपंथियों के साथ गठबंधन करने की कोशिश

● लोकतंत्र के बारे में बोलने से पहले अपने मुंह को गौमूत्र से धोना चाहिए। त्रिपुरा के कानून मंत्री रतन लाल नाथ ने आरोप लगाया कि वाममोर्चा के शासन के दौरान हजारों कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को सीपीएम के बदमाशों ने मार डाला।

की थी और अब बेटे (सुदीप रॉय बर्मन) ने भी इसी तरह की पहल की है। बता दें समीर रंजन बर्मन 1977 में बहुत ही कम वक्त के लिए सीपीएम के साथ गठबंधन सरकार का हिस्सा थे।

कानून मंत्री के बयान पर सियासत तेज

सीपीएम के राज्य सचिव जितेंद्र चौधरी ने कानून मंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए कहा, हम उनकी बातों से हैरान नहीं हैं क्योंकि नियमित रूप से गोमूत्र पीने वाले लोगों का लोकतंत्र शब्द पर गुस्सा आना स्वाभाविक है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की सचिव सजरिता लैटफलांग ने कहा, हम साफ पानी से मुंह धोते हैं, लेकिन यह राज्य में उपलब्ध नहीं है। गौमूत्र से कुल्ला करना बीजेपी का काम है। एक दिन पहले त्रिपुरा सरकार के सूचना मंत्री ने गठबंधन की निंदा करते हुए कहा था कि लोग इसे वैसे ही खारिज कर देंगे जैसे पश्चिम बंगाल में 2021 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के साथ वाम दलों के गठबंधन को खारिज कर दिया गया था।

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने गुवाहाटी चिड़ियाघर का किया दौरा

खुद गाड़ी चलाकर देखा पूरा ‘जू’

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने आज गुवाहाटी चिड़ियाघर का दौरा किया और वहां चल रहे कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि चिड़ियाघर को एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल में तब्दील किया जाएगा।

खुद कार ड्राइव करते आए नजर - सीएम सरमा ने ट्वीटर पर विडियो शेयर किया जिसमें वह कार चलाते नजर आए साथ ही उन्होंने ट्वीट किया, असम राज्य चिड़ियाघर परिसर के अंदर गया और चिड़ियाघर में चल रहे विभिन्न कार्यों के बारे में पूछताछ की। साथ ही अधिकारियों से मौजूदा वनस्पतियों और जीवों के साथ सामंजस्य बनाए रखते हुए चिड़ियाघर को नया रूप देने के लिए कहा।

जानवर और पक्षियों संग बिताया समय–यही नहीं दौरे के दौरान सीएम ने चिड़ियाघर में विदेशी पक्षियों और अन्य जानवरों के साथ भी समय बिताया। एक वीडियो में सरमा कुछ तोते के साथ मस्ती करते भी दिख रहे हैं। कुछ तोते असम के मुख्यमंत्री के कंधों पर भी बैठे हैं। उन्होंने चिड़ियाघर के अंदर मकोव को भी खाना खिलाया।

दौरे के बाद सीएम ने किया बड़ा ऐलान– दौरे के बारे में सीएम सरमा ने ट्विटर पर बताया, मैंने असम के एक चिड़ियाघर का दौरा किया। यहां जानवरों और पक्षियों को करीब से देखने के बाद एक ताज़ा अहसास हुआ। चिड़ियाघर की पूरी स्थिति का जायजा लिया और फैसला किया कि हमारी सरकार इसे सबसे आकर्षक पर्यटन स्थलों में से एक में बदल देगी। बता दें कि राज्य का चिड़ियाघर गुवाहाटी में स्थित है और 432 एकड़ भूमि में फैला हुआ है। यहां जीवों की लगभग 113 प्रजातियां रहती हैं और इसे पूर्वोत्तर भारत का सबसे बड़ा चिड़ियाघर माना जाता है।

सड़क हादसे में बाल-बाल बचे केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे

बक्सर से पटना लौटने के दौरान नहर में गिरी कारकेड की एक गाड़ी

बक्सर। केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे एक सड़क हादसे में बाल-बाल बच गए। बताया जा रहा है कि बक्सर से पटना लौटने के दौरान उनके कारकेड में चल रही कोरानसराय थाने की गाड़ी नहर में गिर गई। इसके पीछे केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे की गाड़ी थी। ड्राइवर के सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। घायल पुलिसकर्मियों को इलाज के लिए डुमरांव सदर अस्पताल में भेजा गया। इस घटना में चार पुलिसकर्मी और एक ड्राइवर घायल है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर प्रशासनिक अधिकारी पहुंच गए। हादसे पर अश्विनी चौबे ने कहा है कि डुमरांव सदर अस्पताल में घायल पुलिसकर्मियों को लेकर आया हूं। उन्हें प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है। दो पुलिसकर्मी को अधिक चोटें आई है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें लेकर एम्स पटना रवाना हो रहा हूं। सभी पुलिसकर्मियों और ड्राइवर की हालत खतरे से बाहर है।

बक्सर में पुलिस के लाठीचार्ज के लिए धरने पर बैठे थे–केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे शुक्रवार को बक्सर स्थित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास अनशन पर बैठ हुए थे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री रामायण का पाठ किया। केंद्रीय मंत्री द्वारा रामायण पाठ का पढ़ना चंद्रशेखर के दिए गए बयान से जोड़कर देखा जा रहा है वहीं, बक्सर के चौसा के बनारपुर में ग्रामीणों पर हुए पुलिस लाठीचार्ज के खिलाफ केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे अनशन पर बैठे थे। इस धरना प्रदर्शन में शामिल होने के लिए बीजेपी के कई राजनीतिक दिग्गज पहुंचे थे। पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी भी धरना स्थल पर पहुंचे थे। वहीं, कुछ दिन पहले केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे के काफिले पर पत्थरबाजी की घटना हुई थी। इस घटना में केंद्रीय मंत्री बाल-बाल बचे। घटना बक्सर के बनारपुर गांव की है। पुलिस द्वारा महिलाओं और बच्चों पर लाठियां बरसाने, नाबालिग बच्चों के पकड़े जाने को लेकर लोग आक्रोशित थे। बक्सर पहुंचे सांसद को गांव के लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ा था। बक्सर में किसानों ने केंद्रीय राज्यमंत्री अश्विनी चौबे के खिलाफ नारेबाजी की। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। उनकी गाड़ी पर किसी ने पत्थर भी फेंक दिया। पत्थर किसी को लगा नहीं। एक दिन पहले भी किसानों ने पुलिस पर हमला करके 16 गाड़ियों में आग लगा दी थी। केंद्रीय मंत्री और स्थानीय सांसद अश्विनी चौबे थर्मल पावर प्लांट पर आगजनी के बाद किसानों से बातचीत करने बनारपुर गांव पहुंचे थे। उन्होंने करीब 10 मिनट तक किसानों को संबोधित किया। इसी बीच किसान उग्र हो गए।

नेपाल में प्लेन क्रैश, मलबे से 68 शव निकाले गए, 4 लापता; सेना बोली- अभी तक हमें कोई जिंदा नहीं मिला

काठमांडू। नेपाल में यति एयरलाइंस का प्लेन रविवार सुबह क्रैश हो गया। राहत और बचाव कार्य में जुटे लोगों ने 68 शव बरामद बरामद कर लिए हैं, जबकि चार लोग लापता हैं। नेपाली आर्मी के प्रवक्ता कृष्ण प्रसाद भंडारी ने सोमवार को कहा कि उन्हें दुर्घटना स्थल से अभी तक कोई भी जिंदा नहीं मिला। वहीं, आज 4 लापता लोगों को ढूंढने के लिए फिर से सर्च अभियान शुरू हो गया है।

लैंडिंग से 10 सेकेंड पहले पहाड़ से टकराया प्लेन–प्लेन काठमांडू से लगभग 200 किलोमीटर दूर पोखरा एयरपोर्ट पर लैंडिंग से सिर्फ 10 सेकेंड पहले पहाड़ से टकराया और नदी में जा गिरा। प्लेन ATR-72 में 68 यात्री और चार क्रू मेंबर सवार थे। 68 शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि चार लोग लापता हैं। इनकी तलाश में स्थानीय प्रशासन ने नदी में गोताखोरों को भी उतारा था, लेकिन सफलता नहीं मिली। अंधेरा होने पर कल सर्च ऑपरेशन रोक दिया गया था।

शवों को आज परिजनों को सौंपने की तैयारी–विमान हादसे में मरने वालों के शवों को आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद आज उनके परिजनों को सौंप दिया जाएगा। कास्की के सहायक मुख्य जिला पदाधिकारी अनिल शाही ने बताया कि चिन्हित शवों को सुबह नौ बजे से प्रक्रिया पूरी कर संबंधित परिवारों को सौंपने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि अज्ञात, विदेशी नागरिकों और जिन लोगों के रिश्तेदार काठमांडू में हैं, उनके शवों को हेलीकॉप्टर से भेजने की तैयारी की जा रही है।

भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए–हादसे को लेकर भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। इनमें दिवाकर शर्मा- +977-9851107021 काठमांडू और लेफ्टिनेंट कर्नल शशांक त्रिपाठी +977-9856037699 पोखरा क्षेत्र के लिए हैं। इन दोनों नंबरों पर मृतक भारतीय यात्रियों के परिजन किसी भी प्रकार की मदद के लिए बातचीत कर सकते हैं।

काठमांडू से पोखरा जा रही थी फ्लाइट

हादसा कासकी जिले के पोखरा में पुराने एयरपोर्ट और पोखरा एयरपोर्ट के बीच हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्लाइट ने काठमांडू से पोखरा जाने के लिए रविवार सुबह 10:33 बजे उड़ान भरी थी। पोखरा एयरपोर्ट काठमांडू से 206 किमी दूर है। यहां पहुंचने में 25 मिनट लगते हैं। पोखरा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लैंडिंग से महज 10 सेकेंड पहले विमान पहाड़ी से टकरा गया। इससे प्लेन में आग लग गई और वह खाई में जा गिरा।

मैकेनिकल खराबी की वजह से क्रैश हुआ प्लेन–सिविल एविएशन अथॉरिटी ऑफ नेपाल की तरफ से कहा गया है कि मैकेनिकल खराबी की वजह से दुर्घटना हुई है। उड़ान से पहले सभी टेक्निकल जांच और प्रोसेस को पूरा किया गया था और उसमें कोई भी टेक्निकल खराबी नहीं दिखाई दी थी। हादसे की जो तस्वीरें और फुटेज सामने आई हैं, उन्हें देखकर किसी के भी जीवित बचने की उम्मीद नहीं है।

सिविल एविएशन अथॉरिटी का कहना है कि लैंडिंग से 10 सेकेंड पहले विमान में आग की लपटें दिखाई दी थीं, इसलिए मौसम की खराबी के कारण दुर्घटना होने की बात नहीं कही जा सकती है। शुरुआत में कहा गया था कि हादसा खराब मौसम की वजह से हुआ है।

पायलट ने 2 बार लैंडिंग की परमिशन मांगी

पोखरा एयरपोर्ट एटीसी के सोर्सेज के मुताबिक हादसा रनवे से महज कुछ मीटर दूर हुआ। पोखरा का रनवे पूर्व-पश्चिम दिशा की ओर बना हुआ है। पायलट ने पहले पूर्व की तरफ से लैंडिंग की परमिशन मांगी थी और परमिशन मिल भी गई थी। थोड़ी देर में पायलट ने पश्चिम की तरफ से लैंडिंग की परमिशन मांगी और उसे दोबारा परमिशन दे दी गई, लेकिन लैंडिंग से 10 सेकेंड पहले ही विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

भारत में गरीबी-अमीरी की खाई

(लेखक डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

आजकल हम भारतीय लोग इस बात से बहुत खुश होते रहते हैं कि भारत शीघ्र ही दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। लेकिन दुनिया के इस तीसरे सबसे बड़े मालदार देश की असली हालत क्या है? इस देश में गरीबी भी उतनी ही तेजी से बढ़ती जा रही है जितनी तेजी से अमीरी बढ़ रही है। अमीर होनेवालों की संख्या सिर्फ सैकड़ों में होती है लेकिन गरीब होनेवालों की संख्या करोड़ों में होती है। ऑक्सफॉम के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो साल में सिर्फ 64 अरबपति बढ़े हैं। सिर्फ 100 भारतीय अरबपतियों की संपत्ति 54.12 लाख करोड़ रु. है याने उनके पास इतना पैसा है कि वह भारत सरकार के डेढ़ साल के बजट से भी ज्यादा है। सारे अरबपतियों की संपत्ति पर मुश्किल से 2 प्रतिशत टैक्स लगता है। इस पैसे से देश के सारे भूखे लोगों को अगले तीन साल तक भोजन करवाया जा सकता है। यदि इन मालदारों पर थोड़ा ज्यादा टैक्स लगाया जाए और उपभोक्ता वस्तुओं का टैक्स घटा दिया जाए तो सबसे ज्यादा फायदा देश के गरीब लोगों को ही होगा। अभी तो देश में जितनी भी संपदा पैदा होती है उसका 40 प्रतिशत सिर्फ 1 प्रतिशत लोग हजम कर जाते हैं जबकि 50 प्रतिशत लोगों को उसका 3 प्रतिशत हिस्सा ही हाथ लगता है। अमीर लोग अपने घरों में चार-चार कारें रखते हैं और गरीबों को खाने के लिए चार रोटी भी ठीक से नसीब नहीं होती। ये जो 50 प्रतिशत लोग हैं इनसे सरकार जीएसटी का कुल 64 प्रतिशत पैसा वसूलती है जबकि देश के 10 प्रतिशत सबसे मालदार लोग सिर्फ 3 प्रतिशत टैक्स देते हैं। इन 10 प्रतिशत लोगों के मुकाबले निचले 50 प्रतिशत लोग 6 गुना टैक्स भरते हैं। गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को अपनी रोजमर्रा के जरूरी चीजों को खरीदने पर बहुत ज्यादा टैक्स भरना पड़ता है क्योंकि वह बताए बिना ही चुपचाप काट लिया जाता है। इसी का नतीजा है कि देश के 70 करोड़ लोगों की कुल संपत्ति देश के सिर्फ 21 अरबपतियों से भी कम है। साल भर में उनकी संपत्तियों में 121 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। अब जो नया बजट आनेवाला है शायद सरकार इन ताजा आंकड़ों पर ध्यान देगी और भारत की टैक्स-व्यवस्था में जरुर कुछ सुधार करेगी। देश कितना ही मालदार हो जाए लेकिन यदि उसमें गरीबी और अमीरी की खाई बढ़ती गई तो वह संपन्नता किसी भी दिन हमारे लोकतंत्र को परलोकतंत्र में बदल सकती है। यह हमने पिछली दो सदियों में फ्रांस रूस और चीन में होते हुए देखा है।

जवाब मांगते समय के सुलगते सवाल

यह कहना तो अभी मुश्किल है कि कांग्रेस पार्टी को इस यात्रा का कितना राजनीतिक लाभ मिलेगा अथवा यह जन-समर्थन आम चुनाव में वोटों में कितना बदलेगा, पर यह स्पष्ट दिख रहा है कि यात्रा की शुरुआत में 'भारत जोड़ने' को लेकर कांग्रेस-विरोधी जो मज़ाक उड़ा रहे थे, अब उनका स्वर धीमा पड़ गया है। भाजपा के छोटे-बड़े कई नेता इस आशय के बयान दे रहे थे कि किस भारत को जोड़ने की बात राहुल गांधी कह रहे हैं, भारत को जोड़ना ही है तो उन्हें अफ़गानिस्तान में जाकर यह यात्रा करनी चाहिए!

विश्वनाथ सचदेव

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' जब शुरू हुई तो ऐसे लोगों की कमी नहीं थी, जिन्होंने इसे संशय की दृष्टि से देखा था। बहुतों ने मज़ाक भी उड़ाया था और बार-बार इस आशय का संदेश देने की कोशिश की थी कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी का यह दांव 'सफल' होने जैसी चीज़ ही नहीं है। सफलता से उनका क्या आशय था, यह तो नहीं पता, पर जिस तरीके और गति से यह यात्रा आगे बढ़ रही है, उसने देश के सत्तारूढ़ दल में खलबली अवश्य मचा दी है। इस यात्रा को जो जन-समर्थन मिल रहा है और जिस तरह से राहुल गांधी की छवि में अंतर आ रहा है, वह कांग्रेस पार्टी के लिए निश्चित रूप से उत्साहवर्धक है और भाजपा के लिए चिंता की बात भी। यह कहना तो अभी मुश्किल है कि कांग्रेस पार्टी को इस यात्रा का कितना राजनीतिक लाभ मिलेगा अथवा यह जन-समर्थन आम चुनाव में वोटों में कितना बदलेगा, पर यह स्पष्ट दिख रहा है कि यात्रा की शुरुआत में 'भारत जोड़ने' को लेकर कांग्रेस-विरोधी जो मज़ाक उड़ा रहे थे, अब उनका स्वर धीमा पड़ गया है। भाजपा के छोटे-बड़े कई नेता इस आशय के बयान दे रहे थे कि किस भारत को जोड़ने की बात राहुल गांधी कह रहे हैं, भारत को जोड़ना ही है तो उन्हें अफगानिस्तान में जाकर यह यात्रा करनी चाहिए! उनके कहने का मतलब साफ था कि भारत तो अफगानिस्तान से लेकर म्यांमार तक फैला था, इन देशों को भारत में जोड़ने की बात राहुल गांधी को करनी चाहिए। सच पूछा जाये तो आज यह सोच ही मज़ाक लग रहा है, पर यही कह कर कोशिश की जा रही थी इस यात्रा का मज़ाक उड़ाने की। यह सही है कि देश को जोड़ने की अपनी बात को, और अपनी इस कोशिश को, राहुल गांधी चुनावी राजनीति से अलग करके दिखाना चाह रहे हैं, पर हकीकत यही है कि यह एक सोचा-समझा राजनीतिक दांव है। अब जबकि यात्रा दो-तिहाई से अधिक पूरी हो चुकी है, भाजपा को भी यह डर सताने लगा है कि कहीं दांव सफल न हो जाये! इसी डर के चलते भाजपा ने अपने दांव शुरू कर दिये हैं। भाजपा की चुनावी रणनीति के सूत्रधार और देश के गृहमंत्री ने पिछले दिनों त्रिपुरा की एक 'चुनावी रैली' में 'राहुल बाबा' से कान खोलकर सुनने के लिए कहा है कि एक जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या में 'भव्य राममंदिर' का 'लोकार्पण' करेंगे। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर बनने वाला राम मंदिर तो पूरा होना ही था, उसे लेकर अब इस तरह की बयानबाजी का मतलब यही है कि भाजपा को लग रहा है कि राम के सहारे ही उसकी नैया पार लग सकती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि 1 जनवरी, 2024 को, यानी आम चुनाव वाले साल के पहले दिन यदि प्रधानमंत्री मोदी भाजपा के किनारे लगा दिये गये नेता लाककृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और उमा भारती जैसे नेताओं को साथ लेकर 'भव्य और गगन चुंबी' राम-मंदिर में प्रवेश करते हैं तो एक बार फिर उन्हें राम के नाम पर वोट पाने का मौका मिल जायेगा। यह सही है कि भाजपा की चुनावी राजनीति में प्रधानमंत्री मोदी एक करिश्माई व्यक्तित्व के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, पर सही यह भी है कि राम मंदिर का चुनावी-लाभ भी भाजपा लगातार उठाती रही है। यह भी सही है कि 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा काफी सफल रहा है, पर इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि भाजपा ने धर्म के नाम पर बांटने की नीति का भी खूब लाभ उठाया है। गृहमंत्री अमितशाह ने जब त्रिपुरा में बाबर द्वारा मंदिर ढहाकार मस्जिद बनाने की बात कही तो उसी सांस में वे यह कहना भी नहीं भूले कि कांग्रेस पार्टी ने आधी सदी से ज़्यादा समय तक अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण को रोकने का काम किया है। यही नहीं, उन्होंने यह कहना भी ज़रूरी समझा कि अब मथुरा और काशी के विवाद को भी निपटाना है। स्पष्ट है, लगभग साल भर बाद होने वाले आम चुनाव में भाजपा मंदिर के मुद्दे का पूरा लाभ उठाना चाहती है। हाल ही में कर्नाटक में भी एक भव्य राम-मंदिर बनाया गया है, गृहमंत्री उसका भी लोकार्पण करने जाने वाले हैं। यह सब इस बात का निश्चित संकेत है कि भाजपा एक बार फिर हिंदुत्व के मुद्दे का चुनावी-लाभ उठाने जा रही है। एक बार फिर हिंदू-मुस्लिम के बीच दरारें बढ़ेंगी, दीवारे उठेंगी। यह स्थिति देश के लिए किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है, पर राजनीतिक लाभ उठाने की लड़ाई में कब कुछ अनुचित माना गया है? आम चुनाव अभी कुछ दूर हैं, पर नौ राज्यों में चुनाव बहुत दूर नहीं है। यह देखना दिलचस्प होगा कि महंगाई और बेरोज़गारी जैसे ज़मीनी हकीकत वाले मुद्दों का मुकाबला भाजपा कैसे करेगी। देश में बेरोज़गार युवाओं की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। आंकड़ों से भले ही कुछ भी समझाने की कोशिश की जा रही हो, पर भूख का तर्क सबसे मज़बूत होता है। अस्सी करोड़ भारतीयों को मुफ्त राशन देने की योजना को एक साल के लिए और बढ़ा दिया गया है। इन 'रेवड़ियों' का लाभ भाजपा को मिल सकता है, पर यह सवाल तो पूछा ही जायेगा कि वे कैसी नीतियां हैं जिनके चलते देश की आधी से ज़्यादा आबादी को मुफ्त अनाज देने की ज़रूरत खत्म ही नहीं हो रही? इस आबादी को समुचित रोज़गार क्यों नहीं मिल पा रहे? इस तरह रेवड़ियां बांटने का चुनावी लाभ भाजपा को भले ही मिल जाये, पर यह स्थिति डरावनी है। बेरोज़गारी रोज़गार उपलब्ध कराने से ही दूर होगी, अन्यथा आज नहीं तो कल, स्थिति विस्फोटक बन सकती है। महंगाई के मोर्चे पर भी स्थिति सुधरती नहीं दिख रही। आये दिन चीज़ों के भाव बढ़ रहे हैं। जीवनावश्यक वस्तुएं आम आदमी की पहुंच से लगातार दूर सरक रही हैं? महंगाई और बेरोज़गारी के ये दोनों मुद्दे किसी भी सरकार के लिए खतरे घंटी हो सकते हैं। भाजपा को सोचना होगा, कब तक इन मुद्दों की अनदेखी की जा सकती है? इनके समाधान की दिशा में एक त्वरित ठोस कार्रवाई की ज़रूरत है। यह सही है कि नफरत के बाज़ार में मोहब्बत की दुकान का नारा भी बेरोज़गारी या महंगाई के सवाल का जवाब नहीं है, पर सत्तारूढ़ दल को यह समझना भी ज़रूरी है कि देश की जनता पर इन बातों का भी प्रभाव पड़ता है। इस सबका कितना राजनीतिक असर पड़ेगा यह तो नहीं कहा जा सकता, पर यह तय है कि देश की जनता को अब राहुल 'बाबा' नहीं लग रहे और 'पप्पू' भी नहीं। भारत जोड़ो यात्रा ने राहुल गांधी की टी-शर्ट पहनी छवि को उभारा है। उसके पीछे की ज़िद का परिणाम क्या निकलेगा, यह आने वाला कल ही बतायेगा, पर यह तय है कि आज तो इसने देश की राजनीति में हलचल मचा दी है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आज का राशीफल

मेष	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
वृषभ	पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
मिथुन	सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।
कर्क	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
सिंह	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
तुला	राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
वृश्चिक	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
कुम्भ	व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड सकता है।

आज का राशीफल

शालीनता से बड़ी गुत्थी सुलझा गई शालिनी

अरुण नैथानी

कानून-व्यवस्था के रखवाले पुलिसकर्मी हमारी हिफाजत में 24 घंटे लगे रहते हैं। अच्छे और बुरे लोग तो हर पेशे और समाज में होते हैं। लेकिन मीडिया द्वारा नकारात्मक और लीक तोड़ती खबरों की प्राथमिकता के चलते पुलिस के कई उजले व रचनात्मक पक्ष चर्चा में नहीं आते। कई पुलिसकर्मी वर्दी और बिना वर्दी के भी समाज में ऐसे काम कर देते हैं, जो आम आदमी के लिये अनुकरणीय होते हैं। कोरोना के दौर में भी कई ऐसे उम्मीद जगाते मामले प्रकाश में आये। ऐसे ही एक प्रकरण पिछले दिनों राष्ट्रीय व मध्यप्रदेश में सुर्खियों में रहा जब एक महिला पुलिस कांस्टेबल ने छात्र बनकर एक मेडिकल कालेज में रैगिंग करने वाले दोषी छात्रों को पकड़वाने के लिये लगातार तीन महीने तक छात्रा के रूप में सबूत जुटाये और दोषियों तक पहुंची। दरअसल, इंदौर के महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल में रैगिंग की शिकायत तो मिली मगर बाद में शिकायतकर्ता सीनियर छात्रों के भय से मुकर गये। रैगिंग का एकदम ब्लाइंड केस था, जिसका खुलासा करने को पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ी। एक बार तो पुलिस केस बंद करने की सोचने लगी, लेकिन फिर समाज में घुल-मिलकर अपराधी का पता लगाने की पुरानी परिपाटी को अमल में लाने का विचार बना। दरअसल, कालेज के जूनियर छात्रों ने यूजीसी को शिकायत करके रैगिंग का आरोप लगाया था। जिस पर प्राथमिकी दर्ज कर दी गई। लेकिन प्राथमिकी दर्ज होने पर दोषी सीनियर छात्रों पर दबाव बनाकर समझौता कर लिया। पीड़ित अपनी शिकायत से मुकर गये और पुलिस को बयान देने से मना कर दिया। कुछ की दलील थी कि रैगिंग तो हुई लेकिन वे उन्हें पहचानते नहीं। फिर संयोगिता गंज थाने के प्रभारी तहजीब काजी ने छात्रा जैसी दिखने वाली कांस्टेबल शालिनी चौहान को मेडिकल कालेज भेजा। वह फ्रेशर स्टूडेंट के तौर पर कालेज जाती। अधिकांश समय कैंटीन में बिताती और यह अवधि छह-सात घंटे की होती थी। कुल तीन माह तक चले इस उपक्रम में शालिनी ने कई दोस्त भी बना लिये। वह छात्रावासों तक भी दखल बनाने में कामयाब हुई। वह नये छात्रों को गढ़े हुए रैगिंग के किस्से सुनाती। कुछ उनसे सुनती। जब किसी को शक होता तो बात बदलती। वैसे इस अभियान में शालिनी को खुशी भी मिली क्योंकि उसे फिर छात्र जीवन जीने का मौका मिला और खाकी वर्दी के स्थान पर फैशनेबल ड्रेस पहनने को मिली। इस तरह शालिनी ने ठोस सुबूत जुटाने में कामयाबी हासिल की। वह जानकारी जुटाती और अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देती। यहां तक कि कुछ पीड़ित छात्रों के बयान तक दर्ज करवाने में कामयाब हो गई। फिर ठोस सुबूत जुटाने के बाद ग्यारह सीनियर छात्रों के खिलाफ कार्रवाई हुई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। दरअसल, उम्र में छोटी थी और छात्रा जैसी लगती थी। इसलिये किसी को उस पर जल्दी शक भी नहीं हुआ। यहां तक कालेज प्रशासन को भी इसकी भनक देर से लगी। दरअसल, शालिनी की पुलिस में नई नियुक्ति थी और वर्ष 2010 में पिता की मृत्यु के बाद उसे अनुकंपा के आधार पर नौकरी मिली। वह तब स्नातक की पढ़ाई पूरी कर रही थी। यही वजह है कि कालेज परिसर, कैफे और कैंटीन में उसके बैठने पर आसानी से किसी का ध्यान उस पर नहीं गया। धीरे-धीरे वह छात्रों के साथ घुलमिल कर सुबूत जुटाने लगी। वह सितंबर से दिसंबर माह तक लगातार आम छात्रा की तरह कालेज परिसर पहुंचती रही। यह संदेश देने का प्रयास किया कि वह कालेज बंक करके कैंटीन में बैठती है। उसे कोई फिक्र था तो यह कि उसकी पहचान उजागर होने से कोई विवाद पैदा न हो जाये। सतत प्रयास से वह पीड़ित छात्रों को ढूंढ़ने और दोषियों तक पहुंच पाने में सफल हो पायी। उसने बाकायदा दोषी छात्रों के फोटो तक जुटा लिये। यहां तक पता लगाने में कामयाब हुई कि रैगिंग कालेज परिसर के बजाय बाहर किसी निजी निवास पर होती थी। निस्संदेह, शालिनी के प्रयासों से एक ब्लाइंड रैगिंग केस का खुलासा हो पाया। वैसे कॉमर्स ग्रेजुएट शालिनी ने अपने इस अभियान को खुशी-खुशी अंजाम दिया। उसे इस बात का डर जरूर रहता था कि कहीं वह पकड़ में न आ जाये और उसके जीवन का पहला मिशन ही फेल न हो जाये। वह लगातार सूचनाओं से अपने वरिष्ठ सहयोगियों को अवगत कराती रही। उसने बाकायदा काउंसलिंग करके पीड़ित छात्रों को बयान देने के लिये राजी कर लिया। इंदौर के संयोगिता गंज थाने में तैनात शालिनी ने इस अंडरकवर ऑपरेशन को सफल बनाकर पुलिस की छवि को भी नई आभा दी कि यदि पुलिस चाहे तो किसी भी अपराध की तह तक पहुंचकर अपराधियों को कानून की चौखट तक ला सकती है। ऐसे में महज चौबीस साल की शालिनी से भी उम्मीदें बढ़ी हैं कि वह भविष्य में कुछ और बढ़ाकर पुलिस विभाग की छवि को उज्ज्वल बनाएंगी। बहरहाल, शालिनी अपने इस मिशन के सफल होने से खासी खुश है। वह इस बात से भी खुश है कि नौकरी करने के दौरान उसने कालेज जीवन का आनन्द लिया। साथ ही छात्र-छात्राओं जैसे फैशनेबल कपड़े पहनने का मौका उसे खाकी वर्दी के साथ मिला।

विचार मंथन

खरबों रुपए लुटाने के बाद चेती सरकार? भारत का मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम

(लेखक - सनत जैन)

भारत सरकार स्वदेशी मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम को तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ गई है। पिछले 30 वर्षों में डिजिटल तकनीकी और संचार क्रांति के क्षेत्र में भारत सरकार अभी तक विदेशों की बहुराष्ट्रीय कंप नियों की पिछलगगू बनी रही है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने निजी हितों को ध्यान में रखते हुए भारत के ऊपर अपनी मनमानी करती रही हैं। जिसके कारण भारत सरकार और राज्य सरकारों सहित करोड़ों उपभोक्ताओं ने हर साल जो अरबों खरबों रुपए खर्च किए। उसका लाभ बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने उठाया। बहुराष्ट्रीय कंप नियों ने एकाधिकार के बल पर भारत में लूट मचाकर रखी हुई थी। भारत में सी डेक नामक संस्था सरकार ने बनाई थी। भारतीय भाषाओं में साफ्टवेयर डेवलप करने और तकनी कि का कैसे बेहतर उपयोग हो इसके लिये शुरुआती सालों में इसका महत्व था। 1993 में वै श्विक व्यापार सं धि पर हस्ताक्षर करने के बाद से भारत में बहुराष्ट्रीय कंप नियों का जलवा हो गया। राजनेताओं के साथ निकटता बनाकर सी डेक जैसी कंप नियां भारतीय इंजी नियर नेपथ्य में चले गए। भारत सरकार अंतरराष्ट्रीय करोबा रियों के हाथों का खिलौना बनकर खलने लगी।

अब सरकार की सोच पहली बार आत्मनिर्भर होने की बनी है। एंड्राइड ऑपरेटिंग सिस्टम मोबाइल पर इस्ट्राल होकर आ रहा है। गूगल और मोबाइल कंपनियों की सांठगांठ के चलते पिछले कई वर्षों से भारत लूट और ठगी का शिकार हो रहा है। भारत के हजारों सॉफ्टवेयर इंजीनियर एंड्राइड की मनमानी से परेशान है। टीवी भी एंड्राइड से संचालित हो रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से गूगल और एंड्रॉयड ने अपना एकाधिकार बनाकर डेटा कारोबार और सर्विस में अपना एकाधिकार बनाकर हर साल भारत से खरबों रुपए की कमाई की है। उसके बाद सरकार चेती है। सरकार का यह कदम सराहनीय है। संचार और डिजिटल तकनीकी में करोड़ों लोग मोबाइल का उपयोग कर रहे हैं। इन्हीं करोड़ों लोगों पर एकाधिकार का शिकार बनाकर यह बहुराष्ट्रीय कंपनियां लूट रही थी। 97 फ़ीसदी मोबाइल फोन एंड्रॉयड आधारित है। जो भी डिजिटल टीवी भारत में चल रही हैं वह सब एंड्रॉयड पर आधारित हैं। ऐसी स्थिति में भारत सरकार ने जो पहला कदम उठाया है उसकी जितनी सराहना की जाए कम है। भारत को ऑनलाइन सेवाओं के लिए भी राष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्क तैयार किए जाने की आवश्यकता है। ऑनलाइन जो भी कारोबार हो रहा है उसमें 90 फ़ीसदी से ज्यादा भारत के अंदर ही हो रहा है। भारत के पास पहले से ही पूरे ब्लॉक स्तर तक दूरसंचार का नेटवर्क बना हुआ है। भारत के अंदर इंटरनेट के स्थान पर भारतीय नेटवर्क तैयार करके अपना स्वयं का आंत रिक संचार माध्यम विक सित करके भारत अरबों खरबों रुपए तो बचा ही सकते है। इसके साथ ही सुरक्षा और लेनदेन के अन्य मानकों पर भी भारतीय भाषाओं में काम करते हुए सुरक्षित रह सकते हैं। बहरहाल मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम तैयार करने का जो निर्णय भारत सरकार ने लिया है। वह स्वागत योग्य कदम है। आगे भी डिजिटल और संचार माध्यम में आत्मनिर्भर होने के लिए भारतीय सिस्टम

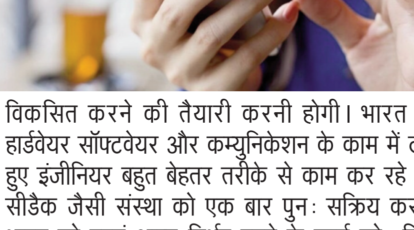

विकसित करने की तैयारी करनी होगी। भारत के हार्डवेयर सॉफ्टवेयर और कम्युनिकेशन के काम में लगे हुए इंजीनियर बहुत बेहतर तरीके से काम कर रहे हैं। सीडैक जैसी संस्था को एक बार पुनः सक्रिय करके भारत को स्वयं आत्म निर्भर बनने के कार्य को किए जाने की जरूरत है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। बाजार में दिन भर के उतार-चढ़ाव बना रहा जिससे यह नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान धातु वाहन और इंफ्रा शेयरों में भारी बिकवाली दर्ज की गयी जिससे ये नीचे आये पर आईटी और उर्जा शेयर इंडेक्स लाभ के साथ ही ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 168.21 अंक करीब 0.28 फीसदी टूटकर 60092.97 के स्तर पर बंद हुआ जबकि पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 61.75 अंक तकरीबन 0.34 फीसदी नीचे आकर 17894.85 के स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार में टेक महिन्द्रा इंफोसिस एचसीएल टेक्नोलाजीज विप्रो और हीरो मोटो काप के शेयरों को निफ्टी में सबसे ज्यादा लाभ हुआ। वहीं अडानी इंटरप्राइजेस एक्सिस बैंक हिंडाल्को इंडस्ट्रीज जेएसडब्ल्यू स्टील और टीसीएस निफ्टी के शेयर सबसे ज्यादा नीचे आये। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में मजबूती और आईटी शेयरों में लिवाली के बीच सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को प्रमुख शेयर सूचकांकों में तेजी के साथ कारोबार देखा गया पर समय के साथ ही यह नीचे आने लगा। अन्य एशियाई बाजारों में सोल शंघाई और हांगकांग में बढ़त थी जबकि टोक्यो में गिरावट देखने को मिली। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को हरे निशान में बंद हुए थे। थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित

मुद्रास्फीति घटकर 4.95 फीसदी पर आ गई है। मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों और कच्चे तेल की कीमतों में कमी के कारण यह गिरावट रही। डब्ल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति नवंबर 2022 में 5.85 फीसदी और दिसंबर 2021 में 14.27 फीसदी थी। देश का निर्यात बीते वर्ष दिसंबर महीने में 12.2 फीसदी घटकर 34.48 अरब डॉलर रहा था। एक साल पहले 2021 के इसी महीने में यह 39.27 अरब डॉलर था।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को रुपये में गिरावट दर्ज की गयी है। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 21 पैसे की गिरावट के साथ 81.59 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं विदेशों में डॉलर में मजबूती लौटने और घरेलू शेयर बाजार में कमजोरी से रुपये में यह गिरावट दर्ज की गयी है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जोखिम लेने की धारणा कमजोर होने और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार निकासी से भी निवेशक बाजार से दूर हुए हैं। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 81.29 पर खुला पर दिन के कारोबार में शुरुआती लाभ घटने से रुपया 81.73 रुपये प्रति डॉलर के दिन के निचले स्तर पर खिसक गया। अंत में रुपया अपने पिछ्ले बंद भाव से 21 पैसे नीचे आकर 81.59 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपया इससे पहले शुक्रवार को आठ पैसे के नुकसान के साथ 81.38 प्रति डॉलर रहा था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 फीसदी बढ़कर 102.32 हो गया।

पाकिस्तान की औसत उत्पादकता वृद्धि 2010 से 2020 तक 1.5 प्रतिशत रही: रिपोर्ट

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की औसत उत्पादकता वृद्धि 2010 से 2020 तक 1.5 प्रतिशत रही। यहां के एक समाचार पत्र में बताया गया कि यह अध्ययन योजना मंत्रालय और एक थिंक टैंक पाकिस्तान विकासात्मक अर्थशास्त्र संस्थान (पीआईडीई) ने मिलकर किया। अध्ययन में 1321 फर्मों को 61 क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। इनमें से प्रत्येक फर्म के आंकड़े 2010 से 2020 तक के हैं। रिपोर्ट के अनुसार उच्च उत्पादकता वृद्धि वाले क्षेत्र ज्यादातर सेवाओं या तकनीक पर आधारित थे जबकि मध्यम से निम्न या नकारात्मक उत्पादकता वृद्धि वाले क्षेत्र विनिर्माण क्षेत्र के थे। कुल कारक उत्पादकता (टीएफपी) वृद्धि दीर्घकालिक उत्पादन वृद्धि का एक महत्वपूर्ण निर्धारक है। अध्ययन से पता चला कि जिन अर्थव्यवस्थाओं में टीएफपी की वृद्धि तीन प्रतिशत से अधिक थी उनकी जीडीपी वृद्धि दर आठ प्रतिशत या उससे अधिक रही जबकि तीन प्रतिशत से कम की टीएफपी वृद्धि की स्थिति में जीडीपी वृद्धि तीन प्रतिशत से सात प्रतिशत के बीच थी। 1970 के दशक की शुरुआत से ही पाकिस्तान में टीएफपी और जीडीपी दोनों की वृद्धि अनियमित रही है। कुछ वर्षों में टीएफपी की वृद्धि नकारात्मक भी रही है। पिछ्ले कुछ दशकों में टीएफपी वृद्धि लगभग दो प्रतिशत रही है।अध्ययन में 1321 फर्मों को 61 क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। इनमें से प्रत्येक फर्म के आंकड़े 2010 से 2020 तक के हैं।

थोक भावों पर आधारित मुद्रास्फीति घटकर 4.95 फीसदी हुई

नई दिल्ली । थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति दिसंबर 2022 में घटकर 4.95 प्रतिशत पर हो गई है। मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों और कच्चे तेल की कीमतों में` गिरावट की वजह से यह गिरावट देखी गई। डब्ल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति नवंबर 2022 में 5.85 प्रतिशत और दिसंबर 2021 में 14.27 प्रतिशत थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा कि दिसंबर 2022 में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति ऋणात्मक 1.25 प्रतिशत और ईंधन तथा बिजली की मुद्रास्फीति 18.09 प्रतिशत थी। समीक्षाधीन महीने में विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति 3.37 प्रतिशत थी। एक बयान के मुताबिक दिसंबर 2022 में मुद्रास्फीति की दर में कमी मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों खनिज तेलों कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस खाद्य उत्पादों वस्त्रों और रसायनों तथा रासायनिक उत्पादों की कीमतों में गिरावट के चलते हुई।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र का दिसंबर तिमाही में हुआ मुनाफा दोगुना

- अब बढ़कर 775 करोड़ रुपए हो गया

नई दिल्ली ।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का एकल शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2022-23 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में दोगुना होकर 775 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने सोमवार को शेयर बाजारों को भेजी एक सूचना में यह जानकारी देते हुए कहा कि संपत्ति गुणवत्ता में सुधार से उसका मुनाफा बढ़ा है। पुणे स्थित बैंक को पिछ्ले वित्त वर्ष 2021-22 की दिसंबर तिमाही में 325 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। बैंक की कुल आय भी आलोच्य अवधि में बढ़कर 4770 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले इसी अवधि में यह 3893 करोड़ रुपये थी। संपत्ति की गुणवत्ता के मोर्चे पर बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) बीती तिमाही के अंत में घटकर 2.94 प्रतिशत रह गई। यह आंकड़ा पिछ्ले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के अंत में 4.73 प्रतिशत था। इस दौरान शुद्ध एनपीए घटकर 0.47 प्रतिशत हो गया जो एक साल पहले इसी अवधि में 1.24 प्रतिशत था।

58 फीसदी बिल्डरों को आवास कीमतें बढ़ने की उम्मीद: सर्वेक्षण

नई दिल्ली । लगभग 58 प्रतिशत बिल्डरों ने इस साल आवास की कीमतें बढ़ने की संभावना जताई है। दूसरी ओर 32 फीसदी का कहना है` कि कीमतें स्थिर रहेंगी। एक सर्वेक्षण में ये निष्कर्ष सामने आए। यह सर्वेक्षण रियल्टी क्षेत्र के शीर्ष निकाय क्रेडाई रियल एस्टेट कंसल्टेंट कोलियर्स इंडिया और प्रॉपर्टी रिसर्च फर्म लियासेस फोरास ने मिलकर किया। सर्वेक्षण के मुताबिक 43 प्रतिशत डेवलपर 2023 में आवासीय मांग स्थिर रहने की उम्मीद करते हैं। दूसरी ओर 31 प्रतिशत का मानना है कि इसमें 25 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। पिछ्ले दो महीनों के दौरान किए गए संयुक्त सर्वेक्षण में देश के विभिन्न हिस्सों के 341 रियल एस्टेट डेवलपर ने भाग लिया। रिपोर्ट में कहा गया है` कि 58 प्रतिशत डेवलपर का मानना है कि 2023 में लागत बढ़ने आर्थिक अनिश्चितताओं और मुद्रास्फीति के कारण आवास की कीमतों में वृद्धि होगी। हालांकि सर्वेक्षण से पता चला कि लगभग 32 प्रतिशत डेवलपर का मानना है कि कीमतें स्थिर रहेंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि आवास की कीमतों में पिछ्ली कुछ तिमाहियों में वृद्धि हुई है। इस दौरान मांग भी मजबूत रही है।

गौतम अडानी पर लगा दिया टैक्स तो निकल जाएगी 50 लाख टीचरों की एक महीने की सैलरी

आर्थिक रूप से कमजोर 50 प्रतिशत आबादी के पास कुल संपत्ति का सिर्फ तीन प्रतिशत हिस्सा

नई दिल्ली ।

कोरोनाकाल में भारत में अमीर और गरीब के बीच खाई और चौड़ी हो गई है। एक प्रतिशत सबसे अमीर लोगों के पास अब देश की कुल संपत्ति का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। दूसरी ओर आर्थिक रूप से कमजोर 50 प्रतिशत आबादी के पास कुल संपत्ति का सिर्फ तीन प्रतिशत हिस्सा ही है। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के दस सबसे धनी लोगों पर पांच प्रतिशत कर लगाने से बच्चों को स्कूल वापस लाने के लिए पूरा फंड मिल सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सिर्फ एक अरबपति गौतम अडानी को 2017-2021 के बीच मिले अवास्तविक लाभ पर एकमुश्त कर लगाकर 1.79 लाख करोड़ रुपये जुटाए जा सकते हैं। इस रकम से देश के 50 लाख से अधिक प्राइमरी टीचर्स को एक साल तक रोजगार दिया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक अगर भारत के अरबपतियों की पूरी संपत्ति पर दो फीसदी की दर से एकमुश्त कर लगाया जाए तो इससे देश में अगले तीन साल तक कुपोषित लोगों के पोषण के लिए 40423 करोड़ रुपए की जरूरत को पूरा किया जा सकेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के 10 सबसे अमीर अरबपतियों पर पांच प्रतिशत का एकमुश्त कर (1.37 लाख करोड़ रुपए) लगाने से मिली राशि 2022-23 के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (86200 करोड़ रुपए) और आयुष मंत्रालय के बजट से 1.5 गुना अधिक है। रिपोर्ट में लैंगिक असमानता के मुद्दे पर कहा गया कि महिला श्रमिकों को एक पुरुष

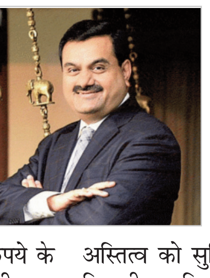

कर्मचारी द्वारा कमाए गए प्रत्येक एक रुपये के मुकाबले सिर्फ 63 पैसे मिलते हैं। इसी तरह अनुसूचित जाति और ग्रामीण श्रमिकों को मिलने वाले पारिश्रमिक में भी अंतर है। अगड़े सामाजिक वर्ग को मिलने वाले पारिश्रमिक के मुकाबले अनुसूचित जाति को 55 प्रतिशत और ग्रामीण श्रमिक को 50 प्रतिशत वेतन मिलता है। मीडिया के अनुसार शीर्ष 100 भारतीय अरबपतियों पर 2.5 प्रतिशत कर लगाने या शीर्ष 10 भारतीय अरबपतियों पर पांच प्रतिशत कर लगाने से बच्चों को स्कूल में वापस लाने के लिए जरूरी पूरी राशि लगभग मिल जाएगी। ऑक्सफैम ने कहा कि रिपोर्ट भारत में असमानता के प्रभाव का पता लगाने के लिए गुणात्मक और मात्रात्मक जानकारी का मिश्रण है। ऑक्सफैम इंडिया के सीईओ अमिताभ बेहड़ ने कहा कि देश के हाशिए पर पड़े लोगों दलित आदिवासी मुस्लिम महिलाएं और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिक एक दुष्चक्र से पीड़ित हैं जो सबसे अमीर लोगों के अस्तित्व को सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि गरीब अधिक करों का भुगतान कर रहे हैं अमीरों की तुलना में जरूरी वस्तुओं और सेवाओं पर अधिक खर्च कर रहे हैं। समय आ गया है कि अमीरों पर कर लगाया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि वे अपने उचित हिस्से का भुगतान करें। बेहड़ ने केंद्रीय वित्त मंत्री से धन कर और उत्तराधिकार कर जैसे प्रगतिशील कर उपायों को लागू करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ये कर असमानता से निपटने में ऐतिहासिक रूप से प्रभावी साबित हुए हैं।

सरकार और मुकेश अंबानी में फिर ठनी

- रिलायंस इंडस्ट्रीज ने रोकी गैस की नीलामी

नई दिल्ली ।

देश के दूसरे सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और उसकी पार्टनर बीपी पीएलसी ने नेचुरल गैस की बिक्री के लिए प्रस्तावित नीलामी को स्थगित कर दिया है। रोजाना लगभग 60 लाख घनमीटर गैस बिक्री के लिए ई-बोली 18 जनवरी को होनी थी लेकिन दोनों कंपनियों ने गैस मार्केटिंग के नियमों में हाल में हुए बदलाव के बाद अपने केजी-डी6 ब्लॉक से नेचुलर गैस की बिक्री के लिए प्रस्तावित नीलामी को स्थगित कर दिया। उन्होंने एक नोटिस में कहा कि बोली प्रक्रिया को अगली सूचना तक निलंबित कर दिया गया है। इसमें निलंबन का कारण नहीं बताया गया है लेकिन उद्योग सूत्रों ने कहा कि यह कदम सरकार द्वारा नए नियम लाए जाने के बाद उठाया गया है। ये नियम नेचुरल गैस की बिक्री पर मार्जिन को सीमित करते हैं। अंबानी और सरकार के बीच पहले से ही इससे जुड़े एक मुद्दे पर ठनी हुई है। यह मामला केजी-डी6 बेसिन से गैस एक्सप्लोरेशन से जुड़ी कॉस्ट रिकवरी से संबंधित है। रिलायंस ने इस मामले में सरकार को इंटरनेशनल ट्रिब्यूनल में घसीटा था। ब्रिटेन की बीपी एक्सप्लोरेशन और कनाडा की निको रिसोर्सेज गैस उत्पादन में रिलायंस की साझीदार कंपनियां हैं। सरकार के मुताबिक इन कंपनियों ने केजी बेसिन से लक्ष्य से कम गैस का उत्पादन किया। इस कारण सरकार ने उन्हें एक्सप्लोरेशन कॉस्ट देने से इनकार कर दिया था। रिलायंस ने इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन शुरू किया था। सरकार ने इसे रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी लेकिन कोर्ट ने हाल में इसे खारिज कर दिया था। रिलायंस ने साल 2009 में केजी-डी6 ब्लॉक के धीरूभाई अंबानी-1 और 3 गैस फील्ड्स से गैस का

Reliance
Industries Limited

उत्पादन शुरू किया था लेकिन एक साल बाद ही प्रॉडक्शन में कमी आने लगी। कंपनी ने फरवरी 2020 में इस ब्लॉक से गैस उत्पादन बंद कर दिया। सरकार का कहना था कि कंपनी ने मंजूर डेवलपमेंट प्लान के मुताबिक काम नहीं किया। सरकार ने तीन अरब डॉलर से अधिक एक्सप्लोरेशन कॉस्ट देने से इनकार कर दिया। कंपनी ने इसका विरोध किया और सरकार को आर्बिट्रेशन में घसीट लिया।

सोने चांदी में तेजी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने चांदी की कीमतों में तेजी आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 314 रुपये की बढ़त के साथ 56701 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले गत कारोबारी सत्र में सोना 56387 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। वहीं चांदी भी 1173 रुपये की बढ़त के साथ 70054 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। दिल्ली में सोने की हाजिर कीमत 314 रुपये की तेजी के साथ 56701 रुपये प्रति 10 ग्राम पर थी।''वहीं विदेशी बाजारों में सोना उछाल के साथ ही 1916 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था जबकि चांदी भी बढ़त के साथ 24.22 डॉलर प्रति औंस पर थी। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कम बढ़ोतरी की उम्मीद से सोने की कीमतों में तेजी रही।

बजट से पहले महंगाई के मोर्चे पर आई अच्छी खबर

खाने-पीने की चीजें हुईं सस्ती

नई दिल्ली ।

महंगाई के मोर्चे पर अच्छी खबर है। थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई दिसंबर 2022 में घटकर 4.95 प्रतिशत पर आ गई। मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों और कच्चे तेल की कीमतों में कमी के चलते यह गिरावट हुई। डब्ल्यूपीआई आधारित महंगाई नवंबर 2022 में 5.85 प्रतिशत और दिसंबर 2021 में 14.27 प्रतिशत थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दिसंबर 2022 में खाद्य वस्तुओं की महंगाई निगेटिव 1.25 प्रतिशत और ईंधन तथा बिजली की महंगाई 18.09 प्रतिशत थी। समीक्षाधीन महीने में विनिर्मित उत्पादों की महंगाई 3.37 प्रतिशत थी। मंत्रालय के बयान के मुताबिक दिसंबर 2022 में महंगाई की दर में कमी मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों खनिज तेलों कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस खाद्य उत्पादों वस्त्रों और रसायनों तथा रासायनिक उत्पादों की कीमतों में गिरावट के चलते हुई। इससे पहले खुदरा महंगाई दर में भी दिसंबर में गिरावट आई थी। दिसंबर में खुदरा महंगाई दर घटकर 5.72 फीसदी पर आ गई थी। उससे पहले नवंबर में यह 5.88 फीसदी रही थी। इस बीच देश का निर्यात बीते वर्ष दिसंबर महीने में 12.2 प्रतिशत घटकर 34.48 अरब डॉलर रहा। एक साल पहले 2021 के इसी महीने में यह 39.27 अरब डॉलर था। वाणिज्य मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार आलोच्य महीने में आयात भी घटकर 58.24 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले समान महीने में 60.33 अरब डॉलर था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान देश का कुल निर्यात नौ प्रतिशत बढ़कर 332.76 अरब डॉलर रहा। आयात भी आलोच्य अवधि में 24.96 प्रतिशत बढ़कर 551.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश का निर्यात बेहतर बना हुआ है।

दिसंबर में डीमैट खाते 34 प्रतिशत बढ़कर 10.8 करोड़ हुए

नई दिल्ली ।

शेयर कारोबार के लिए इस्तेमाल होने वाले डीमैट खाते दिसंबर 2022 में बढ़कर 10.8 करोड़ पहुंच गए हैं जो सालाना आधार पर 34 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता है। एक विश्लेषण रिपोर्ट के मुताबिक शेयर बाजारों से आकर्षक रिटर्न मिलने खाता खोलने की प्रक्रिया सरल होने और वित्तीय बचत में वृद्धि से डीमैट खातों की संख्या में इतनी तेज वृद्धि हुई है। इस तरह के खातों में क्रमिक वृद्धि दिसंबर में उससे पहले के तीन महीनों की तुलना में अधिक रही।

हालांकि यह वित्त वर्ष 2021-22 की औसत खाता संख्या 29 लाख से कम ही है। सूत्रों के मुतो बिक अक्टूबर और नवंबर में 18-18 लाख और सितंबर में 20 लाख खातों की तुलना में दिसंबर 2022 में ऐसे खातों की क्रमिक वृद्धि 21 लाख थी। बताया जा रहा है` कि हर महीने जुड़ने वाले खातों की वृद्धि दर सुस्त पड़ने के पीछे मुख्य रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध उच्च ब्याज दर का माहौल एवं बढ़ती मुद्रास्फीति और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतियों के कारण देखा गया है। आंकड़ों के अनुसार दिसंबर 2022 में डीमैट खातों की संख्या दिसंबर 2021 के 8.1 करोड़ की तुलना में 34 प्रतिशत बढ़कर 10.8 करोड़ हो गई।

इक्विटी बाजारों से आकर्षक रिटर्न मिलने और ब्रोकरों की तरफ से ग्राहकों को खाता खोलने की प्रक्रिया को आसान बनाने से पिछ्ले वर्ष डीमैट खातों में वृद्धि हुई। हालांकि डीमैट खातों की बढ़ती संख्या के बीच एनएसई पर सक्रिय ग्राहकों की संख्या पिछ्ले छह महीनों से लगातार घट रही है। उद्योग में सक्रिय उपयोगकर्ता ग्राहक सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़े लेकिन दिसंबर 2022 में महीने-दर-महीने यह एक प्रतिशत गिरकर 3.5 करोड़ हो गए।

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने कर्मचारियों की छंटनी शुरू की

इस महीने लगभग 1000 कर्मचारियों को बर्खास्त किए जाने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन ने अब भारत में भी कर्मचो रियों की छंटनी की शुरुआत कर दी है। एक खबर के अनुसार अमेज़न के एक कर्मचारी ने कथित तौर पर कंपनी के अंदर चल रहे इस माहौल के बारे में बताया है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक ई-कॉमर्स की दिग्गज कंपनी ने छंटनी शुरू कर दी है जो भारत में इसके 1 प्रतिशत कर्मचारियों को प्रभावित करेगी। इस महीने लगभग 1000 कर्मचारियों को बर्खास्त किए जाने की उम्मीद है। सूत्रों के मुतो बिक कथित एक पोस्ट में कर्मचारी ने कहा कि उसकी टीम के 75 प्रतिशत कर्मचारी चले गए और उसे काम करने के लिए कोई प्रेरणा नहीं मिल रही है वे केबिन से लोगों को निकाल रहे हैं और कर्मचारी ऑफिस में रो रहे हैं। इस पोस्ट का स्क्रीनशॉट ट्विटर पर वायरल हो गया है जिसे लाखों यूजर्स ने देखा और उस पर कमेंट्स किए। एक रिपोर्ट के अनुसार अमेजन में हुई छंटनी ने गुरुग्राम और बेंगलुरु जैसे शहरों में स्थित कई विभागों को प्रभावित किया है। कर्मचारियों को ईमेल के माध्यम से सूचित किया गया था और उनके सवालों के जवाब पाने के लिए एक तय तारीख पर टीम से मिलने के लिए कहा गया था। अमेजन के सीईओ एंडी जेसी ने पहली बार पिछ्ले साल नवंबर में कंपनी में बड़े पैमाने पर छंटनी का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि हम सिर्फ कंपनी में 18000 से अधिक रोल को खत्म करने की योजना बना रहे हैं इससे कई टीमें प्रभावित होंगी।

देश में अब तक 88 लाख दिव्यांगों को यूडीआईडी कार्ड जारी किए गए

नई दिल्ली ।

देश में अब तक दिव्यांग जनों के लिए 88 लाख से अधिक विशिष्ट दिव्यांगजन पहचान पत्र (यूडीआईडी) जारी किए जा चुके हैं। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। दिव्यांगजनों के लिए विशिष्ट पहचान पत्र को यूडीआईडी कार्ड के नाम से जाना जाता है। दिव्यांगजनों के लिए विशिष्ट पहचान पत्र योजना उनके लिए एक राष्ट्रीय डाटाबेस तैयार करने और प्रत्येक दिव्यांगजन को एक यूडीआईडी कार्ड जारी करने के उद्देश्य से लागू की जा रही है। केंद्र सरकार की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक अब तक 8818452 यूडीआईडी कार्ड जारी किए जा चुके हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने एक कार्यक्रम के दौरान इसके बारे में कहा कि यह योजना देशभर के सभी राज्यों में लागू की गई है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों को दस्तावेजों की कई प्रतियां बनाने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि कार्ड में सभी आवश्यक विवरण होंगे और यह पूरे देश में

मान्य होगा। गौरतलब है कि वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत में 2.68 करोड़ दिव्यांगजन हैं जो देश की कुल जनसंख्या का 2.21 प्रतिशत हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तो सचिन के 100 शतक का रिकॉर्ड तोड़ देंगे विराट : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि विराट कोहली जिस प्रकार खेल रहे हैं वैसे ही अगर खेलते रहे तो सचिन तेंदुलकर के 100 शतक का रिकॉर्ड तोड़ देंगे पर इसके लिए उन्हें चालीस साल की उम्र तक खेलना होगा। विराट ने श्रीलंका के खिलाफ तिरुवनंतपुरम में हुए तीसरे और अंतिम एकदिवसीय में 110 गेंद पर 166 रन की आक्रामक पारी खेलने के साथ ही अपना 46वां एकदिवसीय शतक लगाया। इस प्रकार उन्हें सचिन के 49 शतक के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए चार शतक ही चाहिये। वहीं अगर अंतरराष्ट्रीय प्रारुप की बात करें तो विराट के अब 74 शतक हो गये हैं और उन्हें सचिन के सौ शतक के रिकार्ड को तो तोड़ने के लिए 26 शतक और चाहिये। गावस्कर ने कहा कि विराट अगर 40 साल की उम्र तक खेलते है तो ही सचिन के 100 शतक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ सकते हैं। विराट अभी 34 साल के हो गये हैं और ऐसे में उनके लिए छह साल तक खेलना संभव नजर नहीं आता। इसके साथ ही उन्हें अभी टी20 क्रिकेट में अवसर नहीं मिल पा रहा है। श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज और अब न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भी विराट का नाम टीम में नहीं है क्योंकि बीसीसीआई और टीम प्रबंधन टी20 क्रिकेट में युवा खिलाड़ियों को अवसर देना चाहता है। ऐसे में विराट के पास केवल टेस्ट और एकदिवीय प्रारुप ही बचा है जिसमें लगातार शतक लगाना किसी के लिए भी संभव नहीं है।

इंडिया ओपनः दिल्ली में लक्ष्य, सात्विक-चिराग की जोड़ी की निगाहें खिताब बचाने पर

नई दिल्ली

इंडिया ओपन को पहली बार सुपर 750 स्थिति में अपग्रेड किया गया। इसका आगाज मंगलवार को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होगा। प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में बैडमिंटन सितारों के साथ, गत चैंपियन लक्ष्य सेन और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की निगाहें घरेलू दर्शकों के सामने अपना खिताब बरकरार रखने पर टिकी हैं। इसके अलावा, डिफेंडिंग डबल्स चैंपियन भी अपने करियर के दूसरे सुपर 750 खिताब के लिए भिड़ेंगे, जिन्होंने पिछले साल लू चिंग-याओ और यांग पो-हान की ताइपे जोड़ी को हराकर फ्रेंच ओपन जीता था। भारतीय जोड़ी ने अपने 2022 फ्रेंच ओपन के बाद इतिहास रचा था, क्योंकि वे सुपर 750 खिताब जीतने वाली पहली भारतीय पुरुष जोड़ी बनीं। पुरुष एकल में, लक्ष्य, एचएस प्रणय और किदाम्बी श्रीकांत सभी को एक ही क्वार्टर में रखा गया है, जिसका अर्थ है कि केवल एक भारतीय पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में आगे बढ़ सकते हैं। लक्ष्य और प्रणय पहले दौर में भिड़ेंगे। विजेता का सामना रासमस जेमके (डेनमार्क) या केंटो मोमोटा (मोमोटा) से होगा, जिसमें ओलंपिक चैंपियन एक्सेलसेन के खिलाफ संभावित क्वार्टरफाइनल संघर्ष होगा। दूसरी ओर, श्रीकांत के सामने मलेशिया ओपन चैंपियन एक्सेलसन के रूप में कड़ा प्रतिद्वंदी होंगे। भारतीय ऐस युगल हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 3-9 से पीछे हैं। महिला एकल में, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु टूर्नामेंट में पांचवीं वरीयता प्राप्त मलेशिया ओपन के पहले दौर से बाहर होने के बाद जीत की राह पर लौटने के लिए तैयार हैं। पिछले साल की सेमीफाइनलिस्ट सिंधु अपने अभियान की शुरूआत थाई शटलर केटेथोंग सुपनिडा के खिलाफ करेंगी। विजेता यवोन ली या क्रिस्टी गिल्मर (स्कॉटलैंड) से भिड़ेगा। साइना नेहवाल सिंधु के साथ क्वार्टर में शामिल होगी और मिया ब्लिचफेल्ट के खिलाफ शुरूआत करेंगी। विजेता के साथ अगले दौर में ओलंपिक चैंपियन चेन यू फी के साथ भिड़ंत होगी। अगर साइना ने ओलंपिक चैंपियन को हरा दिया तो क्वार्टर फाइनल में सिंधु बनाम साइना का आमना-सामना होगा। महिला एकल में, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु टूर्नामेंट में पांचवीं वरीयता प्राप्त मलेशिया ओपन के पहले दौर से बाहर होने के बाद जीत की राह पर लौटने के लिए तैयार हैं। पिछले साल की सेमीफाइनलिस्ट सिंधु अपने अभियान की

शुरूआत थाई शटलर केटेथोंग सुपनिडा के खिलाफ करेंगी। विजेता यवोन ली या क्रिस्टी गिल्मर (स्कॉटलैंड) से भिड़ेगा। फाइनल में इंडोनेशिया के तीन बार के विश्व चैंपियन मोहम्मद अहसान और हेंड्रा सेतियावान को हराकर अपना पहला इंडिया ओपन खिताब जीतने वाले पुरुष युगल में, दुनिया की नंबर 7 जोड़ी चिराग और सात्विक डेनमार्क के जेपी बे और लेसे मोल्हेडे के खिलाफ शुरू में आमना-सामना करेंगे।

नडाल जेसिका सहित चार खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

मेलबर्न ।

स्पेन के टेनिस स्टार रफेल नडाल अमेरिका की जेसिका पेगुला कोको गॉ और डेनियेले कोलिंस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। नडाल ने पुरुष एकल के पहले ही दौर में जैक ड्रेपर को हराया पर इसमें उन्हें बेहद संघर्ष करना पड़ा। नडाल ने करीब साढे तीन घंटे तक चले मैच में ड्रेपर को 7-5 2-6 6-4 6-1 से हराया। यह इस साल नडाल की पहली जीत थी। वहीं महिला एकल में तीसरी वरीयता प्राप्त पेगुला ने रोमानिया की जैकलीन क्रिस्टियन को 6-0 6-1 से पराजित किया। महिला एकल के ही एक अन्य मैच में सातवीं वरीयता प्राप्त गॉ ने कैटरीना सिनियाकोवा को 6-1 6-4 से हराया। एक अन्य मुकाबले में 13वीं वरीयता प्राप्त कोलिंस ने अन्ना कालिंस्काया को 7-5 5-7 6-4 से हराया। अब पेगुला और गॉ का के बीच सेमीफाइनल में मुकाबला होने की संभावना है जबकि कोलिंस चौथे दौर में इगा स्वियातेक से खेलेंगी। गॉ का सामना अब अगले मैच में पूर्व अमरीकी ओपन चैम्पियन ब्रिटेन की एम्मा राडूकानू से होगा। राडूकानू ने जर्मनी की तमारा कोरपैश को 6-3 6-2 से हराया। इसके अलावा बियांका आंद्रिस्कू भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गई हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः निमेयर को पछाड़कर अगले राउंड में पहुंचीं स्वीयाटेक

मेलबर्न। विश्व नंबर 1 पोलैंड की इगा स्वीयाटेकने सोमवार को जर्मनी की जुले निमेयर पर कड़े मुकाबले में 6-4, 7-5 से जीत के साथ अपने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2023 अभियान की शुरुआत की। बुधवार को दूसरे दौर में स्वीयाटेक का सामना कोलंबिया की कैमिला ओसोरियो से होगा। एक अन्य मैच में, विंबलडन चैंपियन ऐलेना रयबकिना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर में अपने नाबाद रिकॉर्ड को बनाए रखने के लिए एक कड़ी परीक्षा पास की, उन्होंने एलिजाबेटा कोकियारेटो को 1 घंटे 23 मिनट में 7-5, 6-3 से हराया। अब दूसरे दौर में रायबकिना का सामना कजा जुवान से होगा।

शेफाली श्वेता की धमाकेदार बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने यूएई को 122 रनों से हराया

अंडर 19 महिला टी20 विश्वकप

विलोमूर पार्क ।

दक्षिण अफ्रीका में जारी अंडर 19 महिला विश्वकप में भारतीय टीम ने लगातार दूसरा मैच भी जीत लिया। भारतीय टीम ने दूसरे मैच में यूएई को 122 रनों से हराया। वहीं पहले मैच में भारतीय टीम ने मेजबान दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराया था। यूएई के खिलाफ भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट पर 219 बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएई की टीम 97 रनों पर ही आउट हो गयी। अब तक के दोनो ही मैचों में भारतीय टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और श्वेता सेहरावत की अहम भूमिका रही है। यूएई के खिलाफ शेफाली ने केवल 34 गेंद पर ही 78 रन बना दिये। शेफाली और श्वेता की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए3 विकेट पर 219 बनाये। शेफाली के अलावा श्वेता सेहरावत ने भी अर्धशतक लगाया। इन दोनो ने पहले मैच में अच्छी बल्लेबाजी की थी। श्वेता ने पहले मैच में भी अर्धशतक लगाया था जबकि शेफाली ने 45 रन बनाये थे। दूसरे मैच में यूएई के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शेफाली और श्वेता ने टीम को

तेज शुरुआत दिलायी। शेफाली ने केवल 26 गेंद पर अर्धशतक लगा दिया। इस दौरान इस बल्लेबाज ने 11 चौके और एक छक्का लगाया। पहले विकेट के लिए शेफाली और श्वेता के बीच 8.3 ओवर में 111 रन की शतकीय साझेदारी हुई। वहीं श्वेता सेहरावत 49 गेंद पर 74 रन बनाकर नाबाद रहीं। श्वेता ने 10 चौके लगाए और उसका स्ट्राइक रेट 151 का रहा। वहीं ऋचा घोष ने भी 29 गेंद पर 49 रन बनाए।

संक्षिप्त समाचार

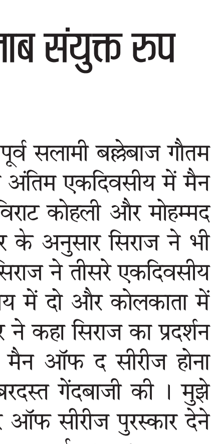

मैन ऑफ द सीरीज खिताब संयुक्त रुप से दिया जाना था : गंभीर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि श्रीलंका के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय में मैन ऑफ द सीरीज खिताब संयुक्त रुप से विराट कोहली और मोहम्मद सिराज को दिया जाना चाहिये था। गंभीर के अनुसार सिराज ने भी इस सीरीज में शानदार गेंदबाजी की है। सिराज ने तीसरे एकदिवसीय में चार गुवाहाटी में हुए पहले एकदिवसीय में दो और कोलकाता में दूसरे मैच में तीन विकेट लिए थे। गंभीर ने कहा सिराज का प्रदर्शन विराट के समकक्ष था। इसलिए संयुक्त मैन ऑफ द सीरीज होना चाहिए। उसने बल्लेबाजी विकेटों पर जबरदस्त गेंदबाजी की । मुझे मालूम है कि हमेशा बल्लेबाजों को प्लेयर ऑफ सीरीज पुरस्कार देने के लिए हम उत्साहित रहते हैं पर सिराज का प्रदर्शन असाधारण कहा जा सकता है। हर मैच में वह लय में थे। वह भविष्य का खिलाड़ी है और हर सीरीज के बाद बेहतर होता जाएगा। इस सीरीज में विराट ने दो शतक लगाये। अंतिम एकदिवसीय में वह 166 रन बनाकर नाबाद रहे। विराट ने इसी के साथ ही अपना 46वां एकदिवसीय शतक और घर में 21वां एकदिवसीय शतक लगाया। विराट ने दो शतकों के साथ ही कोहली ने सीरीज में 141.50 की औसत से 283 रन बनाये।

वायकॉम 18 ने 951 करोड़ रुपए में खरीदे डब्ल्यूआईपीएल के मीडिया अधिकार

मुम्बई । महिला इंडियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूआईपीएल) के मीडिया अधिकार वायकॉम 18 को मिले हैं। वायकॉम को ये अधिकार अगले पांच साल 2023 से 2027 तक लिए मिले हैं। उसके ये मीडिया अधिकार 951 करोड़ रुपए में मिले हैं। बोली में स्टार स्पोर्ट्स सोनी समेत कई कंपनियों ने भाग लिया पर अंत में वायकॉम 18 ने बाजी मार ली। इससे साफ है कि वायकॉम अगले 5 साल तक प्रति मैच के हिसाब से 7.09 करोड़ रुपए का भुगतान भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को करेगा। बीसीसीआई 25 जनवरी को डब्ल्यूआईपीएल की पांच फ्रेंचाइजी का अनावरण करेगा। (डब्ल्यूआईपीएल) के मीडिया अधिकारों की नीलामी में बड़ी रकम मिलना एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने इसी को लेकर कहा महिला आईपीएल मीडिया अधिकारों को जीतने के लिए बधाई। यह महिला क्रिकेट के लिए बहुत बड़ी बात है। महिला टी20 चैलेंज को इससे पहले कए प्रदर्शनी टूर्नामेंट के रूप में आयोजित किया गया था पर अब बीसीसीआई ने महिला क्रिकेट प्रतिभाओं के लिए डब्ल्यूआईपीएल शुरू करने का फैसला किया है। इसके पहला सत्र मार्च में होगा जिसमें पांच टीमें भाग लेंगी और सभी मैच मुम्बई में ही होंगे। बीसीसीआई ने आधिकारिक तौर पर टूर्नामेंट का कार्यक्रम अभी जारी नहीं किया है पर माना जाता है कि पहले सत्र में 22 मैच होंगे। यह 5 मार्च से 23 मार्च के बीच होंगे। इसमें अनकैप्ड क्रिकेटरों को 2 विकल्प दिए गए हैं जबकि कैप्ड खिलाड़ी जिन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया है या वर्तमान में एक केंद्रीय अनुबंध पर हैं। 30 लाख 40 लाख 50 लाख रुपए के आधार मूल्य का चयन कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः सितसिपास ने क्वेंटिन हैलिस को हराया

मेलबर्न,

स्टेफानोस सितसिपास ऑस्ट्रेलियन ओपन में दोहरे पुरस्कार के लिए खेल रहे हैं। ग्रीक ने सोमवार को मेलबोर्न पार्क में शानदार तरीके से अपना अभियान शुरू किया, जहां उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचने के लिए क्वेंटिन हैलिस को 6-3, 6-4, 7-6 (6) से हराया। 2019, 2021 और 2022 में सीजन के शुरूआती ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले 24 वर्षीय सितसिपास अपने पहले बड़े खिताब का पीछा कर रहे हैं। अगर मेलबर्न में तीसरे सीड आगे बढ़ते हैं, तो वह पहली बार एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 बनने के लिए चोटिल कार्लोस अल्कराज को भी पीछे छोड़ देंगे। वह घरेलू वाइल्ड कार्ड रिंकी हिजिकाता से भिड़ेंगे, जिन्होंने दूसरे दौर में यानिक हैनफमैन को 4-6, 4-6, 6-3, 7-6(5), 6-3 से मात दी थी। 2019, 2021 और 2022 में सीजन के शुरूआती ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले 24 वर्षीय सितसिपास अपने पहले बड़े खिताब का पीछा कर रहे हैं। अगर मेलबर्न में तीसरे सीड आगे बढ़ते हैं, तो वह पहली बार एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 बनने के लिए चोटिल

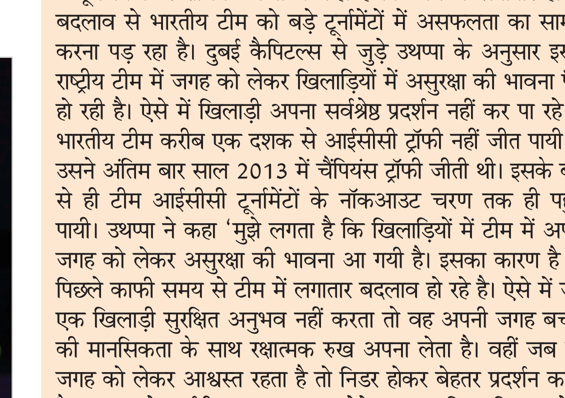

कार्लोस अल्कराज को भी पीछे छोड़ देंगे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैंने अंत तक बेहतरीन मुकाबला किया। मैं हार नहीं मानने वाला था और भले ही मुझे टाई-ब्रेक में कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, स्कोर में पीछे होने के कारण, मुझे प्रशंसकों का अच्छा समर्थन मिला और फिर मैंने जीत हासिल की।

लगातार बदलाव से बड़े टूर्नामेंटों में असफल हो रही भारतीय टीम : उथप्पा

दुबई ।

पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है कि टीम में लगातार हो रहे बदलाव से भारतीय टीम को बड़े टूर्नामेंटों में असफलता का सामना करना पड़ रहा है। दुबई कैपिटल्स से जुड़े उथप्पा के अनुसार इससे राष्ट्रीय टीम में जगह को लेकर खिलाड़ियों में असुरक्षा की भावना पैदा हो रही है। ऐसे में खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। भारतीय टीम करीब एक दशक से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पायी है। उसने अंतिम बार साल 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। इसके बाद से ही टीम आईसीसी टूर्नामेंटों के नॉकआउट चरण तक ही पहुंच पायी। उथप्पा ने कहा 'मुझे लगता है कि खिलाड़ियों में टीम में अपनी जगह को लेकर असुरक्षा की भावना आ गयी है। इसका कारण है कि पिछले काफी समय से टीम में लगातार बदलाव हो रहे है। ऐसे में जब एक खिलाड़ी सुरक्षित अनुभव नहीं करता तो वह अपनी जगह बचाने की मानसिकता के साथ रक्षात्मक रुख अपना लेता है। वहीं जब वह जगह को लेकर आश्वस्त रहता है तो निडर होकर बेहतर प्रदर्शन करता है। उथप्पा ने आईपीएल का उदाहरण देते हुए कहा कि अधिकतर ऐसी टीमें जीती है जिन्होंने कम बदलाव किये हैं। चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियन्स की सफलता से यह साबित होता है। आईपीएल खिताब को जीतने वाली टीमों में शामिल रहे उथप्पा ने कहा 'मुझे लगता है कि खिलाड़ियों में सुरक्षा की भावना देना जरूरी है। पिछले कुछ समय से भारतीय टीम में जो हो रहा उससे खिलाड़ी सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे और अहम मौकों पर उनका प्रदर्शन उभर कर नहीं आता। उथप्पा ने कहा कि अच्छा प्रदर्शन करने के बाद भी जब अगले मैच में खिलाड़ियों को टीम से बाहर किया जाता है तो वह नुकसानदेह साबित होता है। यह जरूर है कि हमारे पास प्रतिभा की कोई कमी नहीं है पर टीम में जगह को लेकर खिलाड़ियों को भरोसा होना चाहिए। विदेशी लीग में खेलने के लिए उथप्पा को भारतीय क्रिकेट से संन्यास लेना पड़ा और अपने इस फैसले को वह सही मानते हैं। उन्होंने कहा 'मैं छह महीने में पहली बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने को लेकर उत्साहित हूं। यह अच्छा टूर्नामेंट है दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ी यहां खेल रहे है।

सीमित ओवरों के खेल पर ध्यान देने से मिल रही सफलता : सिराज

तिरूवनंतपुरम । श्रीलंका के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करने वाले भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अब इसका कारण बताया है। सिराज ने कहा है कि गत वर्ष आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने से वह निराश थे। इसी कारण उन्होंने सीमित ओवरों के खेल पर अधिक ध्यान दिया जिसका अब उन्हें लाभ मिल रहा है। सिराज ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय में चार विकेट लिए थे। वहीं पिछले आईपीएल सत्र में सिराज को 15 मैचों में केवल 9 विकेट ही मिले थे। सिराज ने कहा कि बदलाव इसलिए हुआ क्योंकि उन्होंने आईपीएल में असफल होने के बाद सफेद गेंद के क्रिकेट पर ध्यान देते हुए गेंदबाजी का अभ्यास किया। उन्होंने कहा 'जब आईपीएल सत्र बेकार गया तो मैने सफेद गेंद के क्रिकेट पर ध्यान करना शुरू किया। मैने इस पर मेहनत की जिससे मेरा मनोबल बढ़ा। इस दौरान मैंने अपने प्रदर्शन की चिंता करना छोड़ कर केवल लाइन और लैंग्थ का ध्यान रखा। इस नेट अभ्यास का परिणाम अब सामने आ रहा है।

सूर्यकुमार वनडे विश्व कप में भारत के लिए एक्स-फैक्टर होंगे : रॉबिन उथप्पा

(एजेंसी)

भारत के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि सूर्यकुमार यादव आगामी आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 में एक्स-फैक्टर होंगे। साथ ही कहा कि वह स्टाइलिश बल्लेबाज के लिए बहुत खुश हैं, जो सफेद गेंद के क्रिकेट में जबरदस्त सफलता हासिल कर रहे हैं। 32 वर्षीय सूर्यकुमार शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने हाल ही में राजकोट में श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के दौरान अपना तीसरा टी20 शतक लगाया था। हालांकि, अपने शानदार फॉर्म के बावजूद, वह तीसरे मैच का हिस्सा बनने से पहले द्वीप राष्ट्र के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों के लिए भारत की टीम में जगह नहीं पा सके। आईएलटी20 में दुबई कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व कर रहे उथप्पा ने आईएएनएस से कहा, आगामी विश्व कप में, हर कोई एक एक्स-फैक्टर हो सकता है, लेकिन मुझे लगता है कि अभी मेरी सूची में सबसे ऊपर सूर्यकुमार यादव हैं। हालांकि, वह श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में ज्यादा नहीं खेल सके। उन्होंने कहा, मुझे निश्चित रूप से लगता है कि जिन खिलाड़ियों को नियमित मौके मिल रहे हैं, वे वास्तव में प्रदर्शन करते रहने का दबाव महसूस कर रहे होंगे क्योंकि अगर वे प्रदर्शन नहीं करते हैं, तो वे सूर्या को लंबे समय तक बाहर नहीं रख सकते। 37 वर्षीय उथप्पा को लगता है कि सूर्य वर्तमान में एक अलग स्तर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने बल्लेबाज के कुछ कौशल पर भी प्रकाश डाला, जो उन्हें खास बनाता है। उन्होंने कहा, सूर्या एक मल्टी-यूटिलिटी खिलाड़ी हैं, गेंद का एक बहुत अच्छा टाइमर और एक मैच विजेता हैं। वह इस समय एक अलग स्तर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं और टीम के साथी के रूप में घर में उस क्षेत्र का एकमात्र बल्लेबाज हैं। उनके साथ खेल कर मैं बहुत खुश हूं क्योंकि उन्होंने अपने करियर के इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उसने काफी मेहनत की है। यह पूछे जाने पर कि वनडे में भारत के लिए किसे विकेट कीपिंग करनी चाहिए, उथप्पा ने कहा कि केएल राहुल को भूमिका जारी रखनी चाहिए। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा, केएल राहुल वनडे में बल्लेबाजी के साथ नंबर 5 पर वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और यहां तक कि पूर्णकालिक कीपर नहीं होने के बावजूद विकेटकीपिंग भी अच्छी तरह से कर रहे हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि टीम राहुल का समर्थन कर सकती है और जब यह फैसला करने की बात आएगी तो यह शुभमन गिल और ईशान किशन के बीच होगा। उथप्पा ने भविष्य के कप्तान की संभावनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि भारत के पास आगे चलकर नेतृत्व के कई संभावित विकल्प हैं।

हम भविष्य के लिए कुछ बेहतर कर सकते हैंः विंसेन्जो एनेसे

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के मुख्य कोच विंसेन्जो एनेसे अपनी टीम के प्रदर्शन से खुश हैं, क्योंकि हाईलैंडर्स ने यहां इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में एफसी गोवा के खिलाफ रोमांचक 2-2 से ड्रॉ में एक महत्वपूर्ण अंक हासिल किया। इंडियनसुपरलीग डॉट कॉम का कहना है कि गिल दूसरे हाफ में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के बचाव में आए, क्योंकि एफसी गोवा ने इकर गुआरोटेक्सेना के माध्यम से अपनी बढ़त हासिल करने के बाद फिर से गोल किया। एफसी गोवा के खिलाफ जिस तरह से उनकी टीम ने फ्रंट फुट पर हमला किया उससे एनेसे खुश थे और कहा कि उनकी टीम और भी बेहतर कर सकती है। उन्होंने कहा, हमने एक गुणवत्ता वाली टीम के खिलाफ ड्रा खेला। उनके पास (ऐसे खिलाड़ी हैं जो) बेदिया की तरह और ब्रैंडन (फर्नांडीस) कई वर्षों तक एक साथ खेले हैं। हम उनकी गुणवत्ता जानते हैं। मैं प्रदर्शन के लिए बहुत खुश हूं जब हमने उन पर दबाव बनाना शुरू किया, तो ऐसा कभी नहीं हुआ था। इसलिए हमें इस सुधार को जारी रखने की जरूरत है और खिलाड़ी बहुत बेहतर कर सकते हैं। एफसी गोवा के खिलाफ जिस तरह से उनकी टीम ने फ्रंट फुट पर हमला किया उससे एनेसे खुश थे और कहा कि उनकी टीम और भी बेहतर कर सकती है। उन्होंने आगे कहा, हमारे पास पहले 10 मिनट में आमने-सामने के आसान गोल को छोड़कर हमारे पास कई सकारात्मक चीजें थीं। हमें अपने आक्रामक चरण पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। जिस तरह से हमने गेंद पर नियंत्रण किया, वह आश्चर्यजनक था।

उपहार का ऐसा लेनदेन ना ही करो तो बेहतर

बेबी की दोस्त अलका ने कान में जो टॉप्स पहने थे उसमें एक सफेद मोती चिपका था। वो बड़े जतन से उसे संभाल कर पहने थी। कहीं गिर न जाएं। बेबी ने पूछा ऐसे क्यों कर रही ? अलका ने बड़े प्यार और गर्व से बताया कि मेरी भाभी नेपाल से ये टॉप्स सच्चे मोती के लाई है। बहुत महंगे हैं। सुन कर बेबी जोर–जोर से हंसने लगी। बोली ये टॉप्स आड़ा बाजार के हैं। ठेलों में दस–दस रूपये में मिल रहे हैं। तेरी भाभी जब खरीद रही थी तब मैं भी वहीं खड़ी थी। ये देख मैंने भी लिये। अलका का मुंह उतर गया। शर्मिंदगी होने लगी खुद पर। सोचने लगी उसकी भाभी ने ऐसा उसके साथ क्यों किया ? पर कोई कारण उसे समझ ही नहीं आया। एक बार लक्ष्मी को डॉक्टर ने हवा पानी बदलने की सलाह दी। ज्यादा दूर जाने की बजाय उसके घर के लोगों ने उन्हें पचमढ़ी जाने की सलाह दी। उस की बड़ी बहन भी भोपाल ही रहती थी तो उसे भी ठीक लगा। वहां एक रात रुकने का इरादा किया। अगली सुबह पचमढ़ी, फिर वापिस इंदौर लौट आने का कार्यक्रम तय हो गया। अपनी नन्ही सी बेटी के साथ निजी वाहन में चल पड़े। शादी के बाद पहली बार बहन के घर जा रहे थे। बड़े खुश थे। रात को पहुंच कर खाना खाया और सुबह निकलने की तैयारी की। बहन हाथ में कुछ पैकेट लिए आई। कंकू लगाया और पैकेट थमा दिए। लक्ष्मी ने ऐसे के ऐसे ही बेग में रख लिए। तय कार्यक्रम से पचमढ़ी टूर पूरा किया, घर लौट आये। सभी के सामने बड़ी बहन के दिए गिफ्ट खोले। उसमें लक्ष्मी की सालभर की गुडिया का छोटा सा गर्मियों में पहनने सा दो बद्दी वाला लेडिस रुमाल के जितने कपड़े वाला फ्राक/झबला, पति के लिए खादी का कुरता, लक्ष्मी के लिए सलवार कुर्ता था।

यहां तक तो ठीक है पर जब देखा तो उसमें प्राइज टेग लगे थे। उनमें सभी की कीमत लिखीं थी। जानते हैं उनमें क्या कलाकारी थी ? उसने उन सभी में अंक बढा दिए थे। किसी में आगे जीरो किसी में पीछे संख्या। साथ ही जिस पेन से किये उनकी स्याही का रंग व लिखावट में भारी अंतर था। वो भूल गई की सभी अन्न खाते हैं। लक्ष्मी के ससुर उसी वक्त घर के सामने ही खादी ग्रामोद्योग की दुकान गए और वहां से उनकी असल कीमत जानी। कितनी हद है यह तो। आपने अपनी मर्जी से दिए थे न, तो फिर ऐसी नालायकी करने की क्या जरुरत आ पड़ी। उसकी बहन का पति बैंक मनेजर, वो खुद सेंट्रल गवरमेंट की अच्छी खासी नौकरी में थी। शायद लक्ष्मी व उसके पति को उसने अपनी झूठी शान की छाप छोड़ने के लिए ऐसी बेवकूफाना हरकत की हो। पर ये निरी परम मूर्खता ही थी। जिससे लक्ष्मी को तो लज्जित होना ही पड़ा, संबंधों में भी आजन्म खटास पैदा हो गई। लक्ष्मी ने तुरंत यह कह कर सब वापिस भेज दिए कि हम इतने महंगे कपड़े नहीं पहनते। उसकी बहन को समझ तो सब आ गया था पर जिसकी आंखों और अक्ल में बेशर्मी की पट्टी चढ़ी होती है उसे कुछ भी दिखाई जो नहीं देता। और ऐसे लोग ऐसी हरकतों से बाज भी नहीं आते। कभी 'म्यांमार' की साड़ी पहनी है आपने ? साडियां पहनने वाला भारत देश अब म्यांमार से साड़ी बुलवाएगा। सोच कर ही तरस आता है ऐसे लोगों पर। निधि के मकान का वास्तु हुआ था। उसकी मामी ने एक साड़ी उसे यह कहकर ओढाई की तेरे मामा इसे म्यांमार से तेरे लिए लाये हैं। हरे रंग की मोटे रेग्जिन से कपड़े वाली साड़ी का वे जोर जोर से सबके बीच 'इम्पोर्टेड है' कह कर बखान रहे थे। निधि पढी–लिखी डॉक्टरेट थी। पर चुप थी।

उसकी भाभी ने बताया की यह साड़ी मामी को उनके पीहर से उनकी भाभी ने दी थी जो इन्हें पसंद नहीं आई। आनी भी नहीं थी। हम भारतवासीयों को 'म्यांमार' की साड़ी कैसे पसंद ? बस उन्होंने 'टिका' दी निधि को। अकेले में निधि ने मामी से पूछ ही लिया कि 'मामी विदेशों में वो भी म्यांमार जैसी जगह साडियां कैसे ? मैंने तो कहीं पढ़ा–सुना नहीं। यदि हैं तो गईं भारत से ही होंगी न ? वैसे ऐसी साड़ी मैंने आपके पीहर में किसी के पास देखी है।'

बस मामी को काटो तो खून नहीं। उनका दांव फेल जो हो गया था। आज की भाषा में 'एक्सपोज' होना कहते हैं इसे। क्यों करते हैं लोग ऐसा समझ से ही परे है। इन सभी परिस्थितियों को आपको खुद ही अपनी बुद्धि व विवेक से परिस्थितियों के मद्देनजर निपटना व सुलझाना होता है। इस बीमारी का कोई परमानेंट ईलाज आज तक नहीं मिल पाया है। 'जैसे को तैसा' वाला फार्मूला चला सकें तो लगाइए। वरना भुगतें। सहन करें। या 'मुंह फट' हो जाइए। क्योंकि ऐसा ही कुछ आपके, हमारे, हम सभी के साथ कभी न कभी घटता है। यदि नहीं तो आप बहुत भाग्यशाली हैं।

ये सारे लोग किसी दूसरे ग्रह से नहीं आते। यहीं होते हैं हमारे साथ, हमारे आस–पास। कुछ अपने कुछ पराये जिन्हें दूसरों के साथ ऐसा करने की गन्दी लत पड़ी होती है। यह तो कुछ छोटे से, जरा से ही उदाहरण मैंने पेश किए हैं। इनके आलावा भी कई और कई प्रकार के, कई मौकों पर गिफ्ट–गेम इज्जत का फलूदा करते–कराते खेले जाते हैं और खेले जाते रहेंगे। कारण कई हो सकते है क्योंकि ये जीवन है, इस जीवन का यही है.

सर्दियों के मौसम में कपड़ों से नहीं आएगी दुर्गन्ध

अपनाएं ये आसान टिप्स

सर्दियों के मौसम में हवा में नमी होने की वजह तो कई बार गलत तरीके से कपड़ों की सफाई करने से तो कभी गलत तरीके से कपड़े को रखने से बदबू आने लगती है। अगर कपड़े की सफाई से लेकर उसे रख-रखाव पर अच्छे से ध्यान दिया जाए तो किसी भी मौसम में कपड़ों से बदबू नहीं आएगी।

यार, 'आज ही तो इसे अलमारी से निकाला है पहनने के लिए और पता नहीं इस ड्रेस से अजीब किस्म की दुर्गंध आ रही है'। कुछ दिन पहले भी स्वेटर और कोट निकाला था पहनने के लिए उससे भी ठीक ऐसी ही दुर्गन्ध आ रही थी'। शायद, आपने ने भी किसी न किसी से ये शब्द जरूर सुना होगा कि गर्मी के मौसम तो नहीं लेकिन, सर्दी के मौसम में ऊनी कपड़ों से लेकर अन्य कपड़ों से एक अजीब किस्म की बदबू आती है। ऐसे में अगर अन्य कपड़ों से लेकर सर्दियों के कपड़ों से कुछ अजीब किस्म की बदबू आती है, तो फिर आपको इस लेख को जरूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि, इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप किसी भी कपड़े से दुर्गन्ध को आसानी से दूर कर सकती हैं, तो आइए जानते हैं।

गुलाब जल का इस्तेमाल करें

जी हां, सर्दियों में कपड़ों से किसी भी दुर्गन्ध को दूर करने के लिए जुलाब जल एक बेस्ट उपाय हो सकता है। इसके इस्तेमाल से ऊनी पकड़ों से लेकर अन्य कपड़ों से भी दुर्गन्ध आसानी से गायब हो सकती है। इसके लिए फ्रेश कपड़ों पर छिड़काव करने की जरूरत नहीं बल्कि, सफाई के दौरान इस्तेमाल करने की जरूरत है। इसके लिए फॉलो करें आसान स्टेप्स–

- सबसे पहले दो से तीन लीटर पानी में तीन से चार चम्मच नॉर्मल डिटर्जेंट पाउडर को डालकर एक मिश्रण तैयार कर लीजिए।
- अब आप इस घोल में कपड़े को डालकर कुछ देर बाद अच्छे से साफ कर लें।
- इसके बाद तीन से चार लीटर पानी में साफ किए कपड़े को अच्छे से धो लें।
- फिर से एक से दो लीटर पानी में एक से दो चम्मच गुलाब जल को डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और इस पानी में साफ किए कपड़े को डालकर कुछ देर ले लिए छोड़ दें।
- लगभग 5 मिनट बाद पानी में से कपड़े को निकालकर अच्छे से पानी को निचोड़ लें और धूप में रख दें।
- ध्यान रहे जब तक कपड़ा एकदम ठीक से सुख न जाए तब तक उसे अलमारी में न रखें।
- इससे कपड़े में से कभी भी बदबू नहीं आएगी। कपड़ा हमेशा सुगंन्धित रहेगा।

ऊनी कपड़ों से ऐसे करें दुर्गन्ध को दूर

सर्दी के मौसम अगर सबसे अधिक किसी कपड़े से अजीब किस्म की बदबू आती है, तो वो है ऊनी के कपड़े। कई बार गलत तरीके से स्टोर करने या फिर नमी वाली जगह रखने पर इससे दुर्गन्ध आने लगती है। कई बार ठीक से सफाई न करने या फिर गलत डिटर्जेंट के इस्तेमाल करने से भी बदबू आने लगती है। ऐसे में ऊनी कपड़ों से किसी भी बदबू को दूर करने के लिए आप लैवेंडर ऑयल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए फॉलो करें ये आसान स्टेप्स–

- सबसे पहले तीन से चार लीटर पानी में इजी लिक्विड डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।
- अब इस घोल में स्वेटर और अन्य ऊनी के कपड़ों को डालकर लगभग 10 मिनट के बाद अच्छे से साफ कर लें।
- अब इन कपड़ों को फ्रेश पानी में अच्छे से साफ कर लें।
- इसके बाद दो से तीन लीटर पानी में एक चम्मच लैवेंडर ऑयल अच्छे से मिक्स कर लें और इस मिश्रण में साफ ऊनी के कपड़े डालकर निकाल लें और अच्छे को पानी निचोड़ लें। इसके बाद इसे धूप में अच्छे से सुखने के लिए रख दें। इससे ऊनी कपड़ों से कभी भी दुर्गन्ध नहीं आएगी।

इन टिप्स को भी आप कर सकती हैं फॉलो

सर्दियों के मौसम में कपड़ों से दुर्गन्ध को दूर करने के लिए आप सिर्फ जुलाब जल या लैवेंडर ऑयल का ही इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं बल्कि, इसके अलावा कई चीजें हैं जिसके इस्तेमाल से आप कपड़ों से दुर्गन्ध को दूर कर सकती हैं। सफाई के दौरान आप एक से दो चम्मच सिरका, चन्दन के तेल के अलावा आप अन्य किसी सेंटेड ऑयल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

इन बातों का भी रखें विशेष ध्यान

- सर्दियों के मौसम में किसी भी कपड़े को नमी वाली जगह रखने से बचें।
- ऊनी कपड़े या अन्य कपड़ों को कुछ समय के लिए धूप में जरूर रखें।
- वाशिंग मशीन में कपड़ों को साफ करते समय आप उसमें गुलाब जल, जैस्मिन ऑयल या फिर अन्य सेंटेड ऑयल का इस्तेमाल कर सकती हैं।
- अलमारी या अन्य जगह रखें कपड़ों पर आप सुगंधित स्प्रे का छिड़काव कर सकती हैं या सुगंधित स्प्रे से कॉटन को अच्छे से भिगोकर अलमारी में भी रख सकती हैं।
- अगर कपड़े में हल्का भी नमी है तो उसे फोल्ड करके अलमारी में न रखें बल्कि उसे हवा के नीचे रखें।
- सर्दियों के मौसम में ऊनी और अन्य कपड़ों को अलग–अलग रखने की कोशिश करें।

ड्राइंग रूम की सजावट में रखें इन बातों का ध्यान

वास्तु शास्त्र में कोई भी भवन खरीदते या उसकी सजावट करते समय कई बातों का ध्यान देना आवश्यक बताया गया है, क्योंकि घर का मुख्य कक्ष, बैठक कहें या ड्राइंग रूम वह जगह है, जहां हम अपने परिवारजनों और कुछ खास मित्रों के साथ कुछ क्षण आनंद से गुजारना चाहते हैं। अक्सर देखने में आता है कि किसी अन्य मित्र के घर के ड्राइंग रूम में जाने पर हमें अजीब-सा भारीपन महसूस होता है, जबकि दूसरे मित्र के ड्राइंग रूम में हल्कापन लगता है। आइए जानें कैसी हो ड्राइंग रूम की सजावट

- ड्राइंग रूम में प्रकाश, घड़ी, कैलेंडर और तस्वीरों के चयन में भी सावधानी रखी जानी चाहिए।
- विशेष रूप से यह ध्यान रखना चाहिए कि वे तनाव बढ़ाने वाले न हों। जहां तक हो सके प्रयास किया जाए कि अध्ययन कक्ष, बेडरूम तथा अन्य कक्षों के भीतरी भाग बैठक से नजर न आएं।
- बैठक से अध्ययन कक्ष की मेज तथा काम के अन्य उपकरण दिखाई देने से भी बैठक में तनाव बढ़ता है।
- वास्तु और फेंगशुई के प्रचार के बाद से वास्तव में लोग अपने मकान के निर्माण या बना–बनाया फ्लेट खरीदते समय वास्तु आदि पर ध्यान तो देने लगे हैं, किंतु मकान में प्रवेश करने के बाद उसकी सजावट करते हुए वास्तु और फेंगशुई को प्राय: भूल जाते हैं।
- जबकि सोफा, टेबल आदि फर्नीचर का आकार, दीवारों की सजावट, चित्रों की विषय वस्तु, प्रकाश व्यवस्था आदि सब मिलकर वास्तु का प्रभाव तय करते हैं।
- दरवाजे के ठीक ऊपर लगा कैलेंडर या बंद पड़ी घड़ी से भी बैठक की अच्छी ऊर्जा प्रभावित हो जाती है।
- फर्नीचर खरीदी करने का तरीका अक्सर यह रहता है कि दुकान पर गए, जो पसंद आया, उठा लाए। फिर चाहे वह बैठक के अनुपात में हो, रंगों आदि से मेल खाता हो या न हो।
- ड्राइंग रूम के आकार के अनुपात से बड़ा सोफा अच्छी ऊर्जा अर्थात ची को प्रभावित करता है और भारी सोफा गृहस्वामी के अलावा आगंतुकों के लिए भी भारीपन की रचना करता है। इसलिए सलाह दी जाती है कि ड्राइंग रूम के लिए फर्नीचर का चुनाव करते हुए उनके आकार का ध्यान जरूर रखें।

अगर ऐसा होगा आपके बच्चे का रूम तो पढ़ाई में होगा सर्वश्रेष्ठ

अगर आपके बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लग रहा है या वह पढ़ाई से जी चुरा रहा है, उसका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहता हैं तो आप नीचे दिए गए टिप्स के अनुसार बच्चे के कमरे में वास्तु परिवर्तन करेंगे तो निश्चित ही वह मन लगाकर पढ़ेगा तथा उसका स्वास्थ्य भी अनुकूल रहेगा।

- बच्चों के कमरे में पर्याप्त रोशनी आनी चाहिए। व्यवस्था ऐसी हो कि दिन में पढ़ते समय उन्हें कृत्रिम रोशनी की आवश्यकता ही न हो।
- जहां तक संभव हो सके, बच्चों के कमरे की उत्तर दिशा बिलकुल खाली रखना चाहिए।
- उनके किताबों की रैक नैऋत्य कोण में स्थित हो सकती है।
- खिड़की, एसी तथा कूलर उत्तर दिशा की ओर हो।
- बच्चों के कमरे में स्थित चित्र एवं पेंटिंग्स की स्थिति उनके विचारों को प्रभावित करती है इसलिए हिंसात्मक, फूहड़ एवं भड़काऊ पेंटिंग्स एवं चित्र बच्चों के कमरे में कभी नहीं होना चाहिए।
- महापुरुषों के चित्र, पालतू जानवरों के चित्र, प्राकृतिक सौंदर्य वाले चित्र तथा पेंटिंग्स बच्चों के कमरे में हो सकती हैं।
- भगवान गणेश तथा सरस्वती जी का चित्र कमरे के पूर्वी भाग की ओर होना चाहिए। इन दोनों की देवी–देवताओं को बुद्धिदाता माना जाता है अत: सौम्य मुद्रा में श्री गणेश तथा सरस्वती की पेंटिंग या चित्र बच्चों के कमरे में अवश्य लगाएं।
- आपका बच्चा जिस क्षेत्र में करियर बनाने का सपना देख रहा है, उस करियर में उच्च सफलता प्राप्त व्यक्तियों के चित्र अथवा पेंटिंग्स भी आप अपने बच्चों के कमरे में लगा सकते हैं।
- यदि बच्चा छोटा हो, तो कार्टून आदि की पेंटिंग्स लगाई जा सकती है।
- बच्चों के कमरे में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि घर में होने वाला शोरगुल उन्हें बिलकुल बाधित न करे अत: बच्चों के कमरे से घर की तरफ कोई खिड़की या झरोखा खुला हुआ नहीं होना चाहिए।
- बच्चों की श्रेष्ठ उन्नति के लिए उनके कमरे का वास्तु के अनुकूल होना आवश्यक है।
- यदि उपर्युक्त तथ्यों में आपके बच्चों के कमरे में कोई कमी है, तो उसे परिवर्तित कर वास्तु के अनुकूल बना सकते हैं। ऐसा करने पर निश्चित रूप से आपके बच्चे के मानसिक विकास एवं उसकी ग्राह्य क्षमता में परिवर्तन नजर आएगा।

उत्तरी चीन में रासायनिक संयंत्र में विस्फोट, दो की मौत, 12 लापता और 34 घायल

बीजिंग। पूर्वोत्तर चीन में एक रासायनिक संयंत्र में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 12 लापता हो गए। राजधानी बीजिंग के पूर्व में लियाओनिंग प्रांत के पंजिन शहर के बाहरी इलाके में हुए विस्फोट में 34 अन्य लोग घायल हो गए। स्थानीय सरकार के समाचार विज्ञप्ति में रासायनिक प्रसंस्करण मशीनरी, पाइप और भंडारण कंटेनरों के परिसर से आग की लपटों और घने काले धुएं की तस्वीरें दिखाई गईं। शहर के उपनगरों में पानशान काउंटी की सरकार ने एक समाचार विज्ञप्ति में कहा कि दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है और स्थानीय पर्यावरण विभाग क्षेत्र में वायु गुणवत्ता पर प्रभाव की निगरानी कर रहा है। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले लोगों ने कहा कि उन्हें विस्फोट का झटका महसूस हुआ, लेकिन नुकसान संयंत्र से आगे नहीं बढ़ा। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला चीन नियमित रूप से घातक औद्योगिक दुर्घटनाओं का शिकार होता है। उत्तरी बंदरगाह शहर टियांजिन में एक रासायनिक गोदाम में 2015 में हुए विस्फोट के बाद से केंद्र सरकार ने मजबूत सुरक्षा उपायों का वादा किया था। इस दुर्घटना में 173 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश अग्निशामक और पुलिस अधिकारी थे। उस मामले में, कई स्थानीय अधिकारियों पर सुरक्षा उल्लंघनों की उपेक्षा करने के लिए रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया था।

पाक के बलूचिस्तान में सिलेंडर फटने से 6 लोगों की मौत पूरा घर क्षतिग्रस्त

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को सिलेंडर फटने से एक ही परिवार के कम से कम छह लोगों की मौत हो गई जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। मीडिया के अनुसार बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में कड़ाके की ठंड से बचने के लिए परिवार ने हीटर चालू करने की कोशिश की तभी गैस के रिसाव के कारण विस्फोट हो गया जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और पूरा घर क्षतिग्रस्त हो गया। रिपोर्ट के अनुसार शवों को अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं की जा सकी है। पाकिस्तान के डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी क्वेटा सहित बलूचिस्तान के अधिकांश हिस्सों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है वहीं कुछ इलाकों में पारा शून्य से 10 डिग्री से 15 डिग्री सेल्सियस तक नीचे गिर गया है।

पश्चिमी इंडोनेशिया में भूकंप के तेज झटके सुनामी की चेतावनी नहीं

जकार्ता। पश्चिमी इंडोनेशिया में सुबह भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए इसका केंद्र समुद्र में था। भूकंप से कोई गंभीर क्षति या किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार भूकंप की तीव्रता 6.0 मापी गई है जिसका केंद्र आचे प्रांत के एक तटीय जिले सिंगकिल से 48 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में 48 किलोमीटर की गहराई पर था। लेकिन सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की है। इंडोनेशिया की आबादी 27 करोड़ से अधिक है। प्रशांत महासागर में 'रिंग ऑफ फायर पर इसकी स्थिति के कारण यहां भूकंप का खतरा अधिक रहता है। गौरतलब है कि पश्चिम जावा के सियानजुर शहर में 21 नवंबर को आए 5.6 की तीव्रता वाले भूकंप में कम से कम 331 लोग मारे गए थे और करीब 600 लोग घायल हुए थे। इससे पहले सुलावेसी में 2018 में आए भूकंप और सुनामी में करीब 4340 लोग मारे गए थे। वहीं 2004 में हिंद महासागर में एक अत्यंत शक्तिशाली भूकंप के कारण सुनामी आने से एक दर्जन देशों में 230000 से अधिक लोगों की जान गई थी जिनमें अधिकतर लोग इंडोनेशिया के आचे प्रांत के थे।

दक्षिण कोरिया में बर्फ से ढकी सड़क पर करीब 50 वाहन टकराए, एक व्यक्ति की मौत व कई अन्य घायल

सियोल। दक्षिण कोरिया की राजधानी के पास बर्फ से ढके राजमार्ग पर रविवार रात करीब 50 वाहन आपस में टकरा गए, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। पोचिओन शहर में दमकल विभाग के एक अधिकारी ह्वांग ताए-जियोन ने बताया कि गुरी-पोचिओन राजमार्ग पर कम से कम 47 वाहन सड़क पर फिसलन के कारण एक-दूसरे से टकरा गए। तस्वीरों में पुलिस अधिकारियों और बचावकर्मियों को 'स्ट्रेचर' लिए, मलबे के बीच, सड़क पर भागते हुए देखा जा सकता है। एक यात्री बस सहित कई वाहन आगे और पीछे से क्षतिग्रस्त हो गए। उत्तरी ग्योंगगी प्रांत के दमकल विभाग के अधिकारी किम डोंग-वान ने बताया कि एक व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कम से कम तीन वाहन सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, वहीं करीब 29 लोगों को मामूली चोटें आई हैं। ह्वांग ने बताया कि जिन घायलों को अस्पताल ले जाने की जरूरत नहीं थी, उन्हें बचावकर्मियों ने बसों में उनके घर पहुंचाया। हादसा सियोल के उत्तर में करीब 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पोचिओन जाने वाले एक राजमार्ग के पास हुआ।

तालिबान राज में दहशत, अफगानिस्तान की पूर्व महिला सांसद मुरसल नबीजादा की गोली मारकर हत्या

काबुल। अफगानिस्तान की पूर्व महिला सांसद मुर्सल नबीजादा और उनके एक अंगरक्षक की उनके काबुल स्थित आवास पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने कहा कि अज्ञात हमलावरों ने शनिवार को अफगानिस्तान के पूर्व सांसद मुर्सल नबीजादा और उनके एक अंगरक्षक की हत्या को अंजाम दिया। मुर्सल नबीज़ादा उन कुछ महिला सांसदों में से थीं, जो अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता पर क़ब्ज़ा करने के बाद काबुल में रुकी थीं। यह पहली बार है जब पिछले प्रशासन के किसी सांसद को अधिग्रहण के बाद से शहर में मार दिया गया है। स्थानीय पुलिस प्रमुख मोलवी हमीदुल्ला खालिद ने एएफपी के हवाले से कहा कि नबीजादा

और उनके गार्ड की शनिवार तड़के करीब तीन बजे उसी कमरे में गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसने कहा कि उसका भाई और एक दूसरा सुरक्षाकर्मी घायल हो गया। तीसरा सुरक्षाकर्मी रुपये और जेवरात लेकर मौके से फरार हो गया। पूर्व विधायक का उनके घर की पहली मंजिल पर निधन हो गया, जिसे वह अपने कार्यालय के रूप में इस्तेमाल करती थीं। खालिद ने कहा कि जांच चल रही है। उन्होंने संभावित उद्देश्यों के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जादरान ने कहा, नबीजादा और उनके एक अंगरक्षक की उनके घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। सुरक्षा बलों ने घटना की जांच शुरू कर दी है।' उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक का एक भाई भी हमले में घायल हो गया था, जो शनिवार और रविवार की रात के दौरान हुआ था। पूर्व सांसद मरियम सोलेमानखिल ने ट्विटर पर कहा कि नबीज़ादा अफगानिस्तान के लिए निडर चैंपियन थे।

ग्वाटेमाला में माया सभ्यता से जुड़े एक बड़े रहस्य का खुलासा

ग्वाटेमाला शहर। दुनिया की सबसे रहस्यमय सभ्यताओं में से एक माया सभ्यता कैसे खत्म हो गई इस सीक्रेट का व्यापक शोध के बाद भी अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। अब लैटिन अमेरिकी देश ग्वाटेमाला में माया सभ्यता से जुड़े एक बड़े रहस्य का खुलासा हुआ है। अब तक माना जाता रहा था कि माया सभ्यता के लोग दूर-दूर बसते थे। अब ग्वाटेमाला के वर्षावनों में 2000 साल पुराने शहर कस्बे और गांवों की बड़ी खोज हुई है। इससे पता चलता है कि माया सभ्यता के लोग ये बहुत ही घनी आबादी में और संगठित समाज में रहते थे।

डोनेस्क से रुसी ठिकानों पर एंटी एयरक्राफ्ट गन से गोले दागते हुए यूक्रेनी सैनिक।

रुसी सैनिकों की पुतिन से गुहार माइनस 25 डिग्री तापमान में जंग लड़ना दूभर हो रहा

मास्को। रूस-युक्रेन युद्ध उस मोड़ पर आ गया है जहां ताकतवर रूस को उसके सैनिकों से ही विद्रोह की धमकी मिल रही है। एक वीडियो जारी कर रूसी सैनिकों ने रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को संदेश दिया है। इस वीडियो में रूसी सैनिकों ने कहा कि वे दुश्मन देश से लड़ने के साथ-साथ कड़ाके की खतरनाक ठंड के जोखिम में जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्याप्त राशन और व्यवस्था के बिना माइनस 25 डिग्री तापमान में जंग करना दूभर हो रहा है।

रूसी मीडिया के मुताबिक रुसी अधिकारियों ने पुष्टि की हैं कि रूसी सैनिकों के पास राशन और सैन्य हथियारों की कमी हो गई है। जिससे सैनिकों का मनोबल और जंग लड़ने की क्षमता कम हो रही है। खराब मौसम और कम होते राशन की चिंता जाहिर करते हुए सैनिकों ने पुतिन से व्यक्तिगत से बाबत कदम उठाने की मांग की है। वीडियो मैसेज के जरिए रूसी सैनिकों ने कहा यहां अब माइनस 25 डिग्री है। हमें यहां बर्फ में रहना है। इसलिए राशन और हथियार की पूरी व्यवस्था की जाए। रूसी सैनिकों ने अपने बटालियनों की लीडरशिप पर भी सवाल उठाया। सैनिकों ने कहा कि हमारे ऊपर के अधिकारी हमें धमकाते रहते हैं। इसतरह के माहौल में जंग लड़ना काफी मुश्किल होगा। सैनिकों ने पुतिन से गुजारिश की है कि स्थिति को सुधारने की जरूरत है।

पोखरा में 'प्रचंड' मिस्टेक, क्या है एयरपोर्ट का चीनी कनेक्शन, 23 सालों में नेपाल ने देखे 17 विमान हादसे

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के पोखरा में प्लेन क्रैश को लेकर कुछ ऐसी बातें सामने आई हैं जिनसे हादसे की वजहों तक पहुंचा जा सकता है। जिस वक्त ये हादसा हुआ था उस समय मौसम साफ था। प्लेन की लैंडिंग को लेकर एटीसी और पायलट के बीच कोई कन्फ्यूंजन था। जिस तरह आखिरी वक्त में पायलट और एटीसी के बीच बातचीत हुई थी। उसको लेकर हादसे को लेकर कुछ संकेत भी मिल रहे हैं। नेपाल की सिविल एविएशन ऑथरिटी के अनुसार हादसे के लिए मौसम जिम्मेदार नहीं था, क्योंकि रविवार को मौसम साफ था। विमान हादसा खराब मौसम नहीं बल्कि तकनीकि खराबी की वजह से हुआ है। विमान के पायलट ने एटीसी से लैंडिंग के लिए परमीशन भी ले ली थी। पोखरा एटीसी की ओर से लैंडिंग के लिए ओके भी कह दिया गया था। नेपाल की सिविस एविएशन ऑथरिटी का कहना है कि

लैंडिंग से ठीक पहले विमान में आग की लपटें दिखाई दी थी।

चीन की मदद से बना था एयरपोर्ट

नेपाल का एटीआर 72 ट्विन इंजन टर्बो प्रॉप प्लेन हैं। इसे फ्रांस और इटली की कंपनी ने बनाया है। 72 यात्री ले जाने में सक्षम टीआर 72 की अधिकतम स्पीड 309 मील प्रति घंटा है। इसके अलावा सवाल पोखरा एयरपोर्ट को लेकर भी पूछे जा रहे हैं। दरअसल, जिस पोखरा एयरपोर्ट के पास प्लेन लैंडिंग से पहले क्रैश हुआ। उस एयरपोर्ट का निर्माण चीन ने किया है। एयरपोर्ट का उद्घाटन हाल ही में पुष्प कमल दहल प्रचंड ने किया था। ये महत्वपूर्ण परियोजना चीन की महत्वकांक्षी बेल्ड एंड रोड इनिसिएटिव सहयोग (बीआरआई) का हिस्सा थी।

नेपाल में हाल के दिन में हुए कुछ प्लेन हादसे

देश में पिछली बड़ी विमान दुर्घटना पिछले साल 29 मई को हुई थी, जब तारा एयर का एक विमान पर्वतीय मुस्तांग जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें एक भारतीय परिवार के चार सदस्यों समेत इसमें सवार सभी 22 लोगों की मौत हो गई थी।

2016 में इसी एयरलाइन का एक विमान इसी मार्ग पर उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार सभी 23 लोगों की मौत हो गई थी।

मार्च 2018 में, त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान दुर्घटना में 51 लोगों की मौत हो गई।

सितंबर 2012 में त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करते समय सीता एयर का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें 19 लोगों की मौत हो गई थी।

पोखरा से जोमसोम उड़ान भरते समय एक विमान 14 मई 2012 को जोमसोम हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमे 15 लोगों की मौत हो गई थी।

विदेश मंत्री जयशंकर के 19 जनवरी को श्रीलंका के दौरे की संभावना, ऋण पुनर्गठन पर होगी वार्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर की आगामी कोलंबो यात्रा के दौरान श्रीलंका भारत के साथ ऋण पुनर्गठन पर वार्ता करेगा। श्रीलंका दशकों के सबसे गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। श्रीलंका अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 2.9 अरब डॉलर के 'ब्रिज लोन' को सुरक्षित करने की कोशिश के साथ चीन, जापान और भारत से वित्तीय आश्वासन प्राप्त करने की कोशिश कर रहा है। आईएमएफ बेलआउट पैकेज को रोक दिया गया है क्योंकि श्रीलंका इस सुविधा के लिए वैश्विक ऋणदाता की शर्त को पूरा करने के संबंध में कर्ज देने वाले देशों के साथ बातचीत कर रहा है।

शनिवार को ट्रेड यूनियन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा कि उनकी सरकार ने जापान के साथ ऋण पुनर्गठन वार्ता पूरी कर ली है और इस महीने भारत के साथ ऐसी बैठक करेगी। विक्रमसिंघे ने कहा, ''19 जनवरी को, भारत के विदेश मंत्री के दौरे पर आने की उम्मीद है और हम भारत के साथ ऋण पुनर्गठन वार्ता जारी रखेंगे।'' जयशंकर की कोलंबो यात्रा के विवरण की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन उनके श्रीलंका के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत करने की संभावना है। जरूरत के समय भारत ने पिछले साल कोलंबो को लगभग चार अरब डॉलर की वित्तीय सहायता दी थी।

भारत ने वित्तीय संकट के सामने आने के बाद श्रीलंका को अपने समाप्त हो रहे विदेशी भंडार को बनाए रखने के लिए 90 करोड़ डॉलर का ऋण देने की घोषणा की। भारत ने ईंधन खरीद के लिए श्रीलंका को 50 करोड़ डॉलर की 'क्रेडिट लाइन' की भी पेशकश की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 'क्रेडिट लाइन' को बाद में बढ़ाकर 70 करोड़ डॉलर कर दिया गया। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा है कि श्रीलंका के पास एकमात्र विकल्प आईएमएफ से बेलआउट पैकेज का है। राष्ट्रपति ने कहा कि वह 3-4 किस्त में आईएमएफ मदद मिलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने ट्रेड यूनियन नेताओं से कहा, ''मैं इस देश को जल्द से जल्द संकट से बाहर निकालना चाहता हूं।'' श्रीलंका 2022 में अभूतपूर्व वित्तीय संकट की चपेट में आ गया था। विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आने के साथ देश में राजनीतिक उथल-पुथल मच गई, जिसके कारण राजपक्षे परिवार को सत्ता से हटना पड़ा।

अमेरिका में अब क्या होगा, बाइडेन पर चलेगा केस, जाएगी राष्ट्रपति की कुर्सी ?

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के घर की तलाशी ली गई है और उनके ऑफिस व घर से ऐसे दस्तावेज बरामद किए गए हैं जो गोपनीय हैं। जिन्हें जो बाइडेन अपने पास रख नहीं सकते थे। लेकिन फिर भी उन्होंने इन दस्तावेजों को अपने पास रखा और इस घटना की वजह से जो बाइडेन की कुर्सी खतरे में आ गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन कानूनी फेर पर फंसते नजर आ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के निजी घर से टॉप सीक्रेट डॉक्यूमेंट बरामद किए गए हैं। बाइडेन पर आरोप है कि उन्होंने गैर कानूनी तरीके से ये ये दस्तावेज अपने पास रखे। सबसे पहले आपको पूरा मामला समझाते हैं।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूएई के दौरे पर, हथियार समझौते की संभावना

सियोल। (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल का संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दौरे पर रविवार को गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यून ने सैन्य साजो-सामान के समझौते के विस्तार की उम्मीद जताई है। यून की यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दक्षिण कोरिया ने यूएई के साथ अरबों डॉलर के व्यापारिक करार कर रखे हैं और संयुक्त अरब अमीरात की रक्षा के लिए विशेष बलों के सैनिकों की तैनाती के समझौते को लेकर उसकी आलोचना हो रही है। यून रविवार को अबू धाबी के कसर अल वतन पैलेस पहुंचे। यून का यूएई के नेता शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने स्वागत किया, जिन्होंने पिछले साल मई में पदभार संभाला था। यून और उनकी पत्नी किम केओन के आगमन पर सेना द्वारा उन्हें सलामी गारद पेश किया गया। एक सैन्य बैंड ने दक्षिण कोरियाई और यूएई के राष्ट्रगान बजाए। समारोह के बाद, दक्षिण कोरिया की 'योनहाप' समाचार एजेंसी ने शेख मोहम्मद के हवाले से कहा कि यूएई ने दक्षिण कोरिया में 30 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा, ''हमने कोरिया गणराज्य में विश्वास के साथ निवेश करने का फैसला किया है जो सभी परिस्थितियों में अपने वादे को निभाता है।'' यून की सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के निदेशक किम सुंग-हान ने कहा, ''यह यात्रा हमारे मित्र देश यूएई के साथ परमाणु ऊर्जा, ऊर्जा, निवेश और रक्षा के चार प्रमुख क्षेत्रों में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगी।'' शनिवार को, 'योनहाप' एजेंसी ने राष्ट्रपति कार्यालय के एक अज्ञात अधिकारी के हवाले से यह भी कहा कि हथियार समझौते की योजना बनाई गई है। एक अधिकारी ने कहा, ''हथियार उद्योग से जुड़े दक्षिण कोरिया और यूएई के बीच सुरक्षा या सैन्य सहयोग के लिए माहौल काफी समझदारीपूर्ण है।

क्रिटिक्स च्वाइस अवार्ड्स में फिर आआरआर जलवा राजामौली ने कहा...मेरा भारत महान

लॉस एंजिलिस (एजेंसी)। एस.एस. राजामौली ने 28वें क्रिटिक्स च्वाइस अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ मूल गीत और सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म जीतकर भारत को फिर गौरवान्वित किया है। उन्होंने अपने जीवन में सभी महिलाओं को सम्मान समर्पित किया और अपने स्वीकृति भाषण के दौरान मेरा भारत महान कहा। क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड जीत 80वें गोल्डन ग्लोब्स में सुर्खियां बटोरने के ठीक बाद आई है। उनकी फिल्म आरआरआर सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा की फिल्म थी और इसके ट्रैक नातु नातु ने एक बार फिर सर्वश्रेष्ठ मूल गीत का सम्मान हासिल किया।

फिल्मकार राजामौली की फिल्म 'आरआरआर ने विश्व मंच पर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए 'क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स' (सीसीए) में सर्वश्रेष्ठ विदेशी की फिल्म और 'नातु नातु' के लिए सर्वश्रेष्ठ गीत का पुरस्कार अपने नाम कर लिया है। 'क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स' में 'आरआरआर' सर्वश्रेष्ठ फिल्म सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (राजामौली)

सर्वश्रेष्ठ विदेशी की फिल्म सर्वश्रेष्ठ विजुएल इफेक्ट्स (वी श्रीनिवास मोहन) और सर्वश्रेष्ठ गीत (नातु नातु) की श्रेणी में नामित थी।

राजामौली ने इस पुरस्कार को अपनी मातृभूमि भारत और अपने जीवन की हर उस महिलाओं को समर्पित किया जिन्होंने कला क्षेत्र में उनके सफर का हमेशा समर्थन किया।

राजामौली ने पुरस्कार स्वीकार कर कहा मेरी जिंदगी में शामिल सभी महिलाओं...मेरी मां राजनंदनी जिन्हें लगता था कि शिक्षा को जरूरत से अधिक महत्व दिया जाता है और इसलिए उन्होंने मुझे किताबें और कॉमिक्स पढ़ने के लिए कहा। उन्होंने मेरी कला को बढ़ावा दिया। मेरी भाभी श्रीवल्ली जो मेरी मां की तरह हैं.. उन्होंने हमेशा मुझे बेहतरीन करने के लिए प्रेरित किया।'' उन्होंने कहा ''मेरी पत्नी रमा जो मेरी फिल्मों की 'कॉस्ट्यूम डिजाइनर' हैं लेकिन वास्तव में उन्होंने मेरे जीवन को आकार दिया है। अगर वह नहीं होती तो मैं यहां नहीं होता। मेरी बेटियां वे कुछ नहीं करती लेकिन उनकी मुस्कुराहट मेरी जिंदगी में रोशनी बिखरने के लिए काफी है और अंततः मेरी मातृभूमि भारत...मेरा भारत महान। जय हिंद।'' 'क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स' (सीसीए) 2023 की मेजबानी चेल्सी हैंडलर ने की। 23वें सीसीए में सबसे अधिक 14 श्रेणी में नामित 'एवरीथिंग एवरीवेयर ऑल एट वन्स' ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (के हुय क्वान) सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (डेनियल क्वान और डेनियल स्कैनर्ट) और सर्वश्रेष्ठ ओरिज़िनल स्क्रीनप्ले और सर्वश्रेष्ठ एडिटिंग का पुरस्कार अपने नाम किया।

इमरान खान ने कहा कि पाकिस्तान के राष्ट्रपति जल्द ही शहबाज शरीफ को विश्वास मत का सामना करने के लिए कहेंगे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि राष्ट्रपति आरिफ अल्वी जल्द ही प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से विश्वास मत का सामना करने के लिए कहेंगे। खान का यह बयान ऐसे समय आया है जब उन्होंने देश में मध्यावधि चुनाव के लिए सरकार पर दबाव बनाने के प्रयास तेज कर दिये हैं। खान ने यहां मीडिया से बातचीत और शनिवार को 'हम न्यूज टीवी' के साथ साक्षात्कार में कहा, ''शहबाज शरीफ ने पंजाब में हमारी परीक्षा ली थी और अब यह साबित करने की बारी उनकी है कि उनके पास नेशनल असेंबली में बहुमत है या नहीं।''

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ अध्यक्ष खान ने संघीय गठबंधन में मतभेदों का हवाला देते हुए कहा, ''पहले शहबाज शरीफ विश्वास मत की परीक्षा दें...और बाद में हमारी उनके लिए दूसरी योजना हैं।'' गौरतलब है कि मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) ने कराची और हैदराबाद में स्थानीय निकाय चुनावों के मुद्दे पर गठबंधन छोड़ने की धमकी दी है। राष्ट्रपति अल्वी, खान की पीटीआई पार्टी के हैं और संघीय गठबंधन बेहद मामूली बहुमत पर चल रहा है। नेशनल असेंबली में एमक्यूएम-पी के सात सदस्य हैं और अगर वह गठबंधन छोड़ने का फैसला करता है तो शहबाज सरकार बरकरार नहीं रह सकती।

खान देश में मध्यावधि चुनाव कराने पर जोर दे रहे हैं। खान ने कहा कि नए सिरे से चुनाव ही मुल्क को आर्थिक संकट से बाहर निकाल सकता है। बहरहाल, संघीय सरकार का कहना है कि अगस्त में सरकार का कार्यकाल पूरा होने के बाद ही आम चुनाव कराए जाएंगे। इस बीच, पाकिस्तान में पंजाब के राज्यपाल बालीगुर रहमान द्वारा मुख्यमंत्री चौधरी परवेज इलाही की सलाह पर हस्ताक्षर करने से इनकार किए जाने के 48 घंटे बाद पंजाब विधानसभा संविधान के अनुसार शनिवार शाम भंग हो गई।

इलाही ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान की ''इच्छा'' के अनुसार विधानसभा भंग करने की सलाह बृहस्पतिवार को भेजी थी। राज्यपाल ने इस सलाह पर हस्ताक्षर नहीं किए। इसके बाद संविधान के अनुसार राज्यपाल को सलाह भेजे जाने के 48 घंटे बाद विधानसभा भंग हो गई। खान ने कहा कि कुछ दिन में खैबर

पख्तूनख्वा असेंबली भी भंग की जाएगी।

इस बीच, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख नेता नवाज शरीफ ने लंदन से वीडियो लिंक के जरिए शनिवार शाम को लाहौर में पार्टी की एक बैठक की अध्यक्षता की। वह नवंबर 2019 से ही लंदन में हैं। पीएमएल-एन की प्रवक्ता और संघीय सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने कहा, ''नवाज शरीफ ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को पंजाब में चुनाव की तैयारियां शुरू करने का निर्देश दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को टिकट वितरित करने के लिए एक संसदीय बोर्ड गठित करने के लिए भी कहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जयशंकर ने कहा... चीन ने सोचा होगा कोरोना में फंसा भारत जबाव नहीं दे सकेगा

–राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने सरकार हर हद तक जाएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वास्तिक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की स्थिति एकतरफा बदलने की कोशिशों पर चीन को फिर खरी-खरी सुनाई हैं। उन्होंने कहा कि चीन को लगा था कि जब दुनिया कोविड के कोहराम में उलझी होगी तब भारत भी उसकी हिमाक का उचित जवाब नहीं दे सकेगा लेकिन दुनिया ने भारत की सख्त प्रतिक्रिया देख ली। जयशंकर ने कहा मई 2020 में गलवान गतिरोध के दौरान एलएसी पर यथास्थिति बदलने की चीन की कोशिश पर भारत की जवाबी प्रतिक्रिया काफी मजबूत और दृढ़ थी। उन्होंने याद दिलाया कि उस समय कोरोना से फैली महामारी की भी चुनौती थी बावजूद इसके भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। यहां तक कि पिछले माह अरुणाचल के तवांग सेक्टर में सीमा पर संघर्ष के दौरान भारत की जवाबी प्रतिक्रिया मजबूत रही।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि चीन भारत की उत्तरी सीमाओं पर बड़ी ताकतों को जुटाकर यथास्थिति को बदलने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना बेहद कठोर मौसमी हालात में भी सीमाओं की रक्षा करती रहती है। जयशंकर ने कहा कि दुनिया ने चीन के दुस्साहस पर भारत का मुंहतोड़ जवाब देखा है और समझ गई है कि भारत को मजबूर नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि अब पूरी दुनिया को पता चल गया है कि भारत को राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जो किया जाना चाहिए वह करेगा।

हिंद महासागर की तुलना में भारत की भू-रणनीतिक स्थिति पर जयशंकर ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में महासागर और भी अधिक भू-राजनीतिक महत्वपूर्ण होने जा रहे हैं। इसके महत्व का स्तर इसपर निर्भर करेगा कि भारत अपने पोजिशन का कितना अच्छा उपयोग करता है।

जयशंकर ने कहा जहां तक भारत की बात है तब हमारे भूगोल ने इतिहास की प्रासंगिकता और भी बढ़ा दी है। भारतीय प्रायद्वीप का हिंद महासागर में काफी केंद्रीय भूमिका है और इसका महाद्विपीय आयाम भी है। हमारी सक्रिय भागीदारी के बिना पूरे एशिया को जोड़ने की कोई भी पहल धरातल पर उतर नहीं सकती है। आज हिंद महासागर का भू-राजनीतिक महत्व और भी बढ़ा है।

एक व्यक्ति ने बाइक में आग लगा दी जोरदार 3 धमाकों से दहला जालंधर

–क्षेत्रवासियों में मच गई अफरा-तफरी पुलिस कर रही आरोपी व्यक्ति की पहचान

जालंधर ।जिले में थाना मकसूदां क्षेत्र के पंजाबी बाग के समीप एक व्यक्ति ने कॉल करके बाइक में देर रात आग लगा दी। आग के कारण 3 धमाके हुए जिस कारण इलाके के निवासी डरकर सड़कों पर आ गए। मोहल्ला निवासियों ने बताया कि जब वे सड़क पर आए तो देखा कि एक मोटरसाइकिल जल रहा था। कॉल करके व्यक्ति द्वारा आग लगाने की सीसीटीवी फुटेज पुलिस को मिल गई है। सूत्रों के मुताबिक मोटरसाइकिल को आग लगाने के समय पर किसी को कॉल के माध्यम से डरा-धमका रहा था। इस वारदात की जानकारी मोहल्ला निवासियों ने थाना मकसूदां की पुलिस को दी तथा मौके पर थाना मकसूदां के एसएओ केवल सिंह पुलिस पार्टी सहित मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मोटरसाइकिल को आग लगाने वाले की वीडियो पुलिस को वारदात स्थल के समीप लगे सीसीटीवी कैमरे से मिल गई है तथा मोटरसाइकिल को आग लगाने वाले व्यक्ति की पहचान की जा रही है। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही व्यक्ति की पहचान करके उसके खिलाफ बनती कार्रवाई की जाएगी। मोहल्ला निवासियों ने एसएसपी स्वर्णदीप सिंह से गुहार लगाई है कि वे ऐसे क्राइम करने वालों पर कार्रवाई कर उन्हें जेल भेजे।

राम रहीम ने फिर से पैरोल के लिए अर्जी लगाई जेल से बाहर आने की तैयारी

चंडीगढ़ ।हत्या और रेप केस में सजायाफ्ता डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम फिर से जेल से बाहर आ सकते हैं।रोहतक की सुनारिया जेल में सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम ने फिर से पैरोल के लिए अर्जी लगा दी है। 25 जनवरी के भंडारे और सत्संग के लिए डेरामुखी ने जेल प्रशासन को आवेदन भेजकर सिरसा आने की अनुमति मांगी है। हरियाणा सरकार सुरक्षा के मसले पर विचार कर रहे हैं। दरअसल डेरा सच्चा सौदा के दूसरे संत शाह सतनाम महाराज के जन्मदिवस पर डेरा में 25 जनवरी को भंडारा और सत्संग आयोजित होगा। इस आयोजन में शामिल होने राम रहीम फिर जेल से बाहर आ सकता है। हालांकि सिरसा में अगर राम रहीम आता है तब सरकार के लिए भी बहुत बड़ा खतरा हो सकता है इसकारण इस मसले पर काफी गहनता से विचार किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक सिरसा डीसी के पास लॉऑर्डर की फाइल पहुंच चुकी है। इस पर रिव्यू करना बाकी है। गौरतलब है कि राम रहीम 15 अक्तूबर 2022 को पैरोल पर जेल से बाहर आया था। चालीस दिन तक वह बरनावा के डेरा सच्चा सौदा आश्रम में रहा था। इस दौरान उसकी मुंहबोली बेटी हनीप्रीत और परिवार के अन्य सदस्य भी थे।

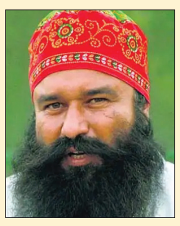

महाराष्ट्र : गढ़चिरौली में पुलिस, नक्सलियों के बीच मुठभेड़, हथियार बरामद

नागपुर। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दो हथियार और एक वॉकी-टॉकी चार्जर बरामद किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक के कार्यालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि रविवार को दोपहर करीब दो बजे गढ़चिरौली पुलिस का एक विशेष बल वेदामपल्ली जंगल में नक्सल विरोधी अभियान पर था। विज्ञप्ति के अनुसार, करीब 20 से 25 नक्सलियों ने सुरक्षाकर्मियों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। नक्सलियों और पुलिस के बीच भारी गोलीबारी के बाद नक्सली घने जंगल में भाग गए। विज्ञप्ति में कहा गया है कि वन क्षेत्र में तलाशी के दौरान पुलिस ने नक्सलियों का एक 'भरमार' (देसी हथियार), एक पिस्तौल, एक वॉकी-टॉकी चार्जर और अन्य सामान बरामद किए।

किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा– लोकसभा चुनाव 2024 में किसी भी दल को भाकियू नहीं देगी समर्थन

प्रयागराज ।किसान नेता राकेश टिकैत ने आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर कहा कि उनका संगठन भारतीय किसान यूनियन अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव-2024 में किसी भी राजनीतिक दल को कतई अपना समर्थन नहीं देगा। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि उनके संगठन से जुड़े किसान लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ रहेंगे। टिकैत ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उन्हें भरोसा दिलाया कि जिन राज्यों में उनकी पार्टी की सरकार है वहां किसानों के हित में जल्दी उचित कदम उठाए जाएंगे। इसके साथ ही राकेश टिकैत ने यह भी जानकारी दी कि चुनाव से पहले राहुल गांधी किसान संगठनों के साथ बड़ी बैठक भी करेंगे। उन्होंने कहा कि आवारा जानवरों की वजह से किसानों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को दूर करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने से किसान नाराज हैं। राकेश टिकैत ने बीजेपी और उसकी सरकारों पर हमला बोलने के साथ ही यह सफाई भी दी कि जहां भी किसानों पर अत्याचार होगा वह उसका विरोध करेंगे। चाहे वहां बीजेपी की सरकार हो या गैर बीजेपी की।

चिक्कबल्लापुर के अवलागुर्की में आदि योगी की 112 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण

–सत्तारूढ़ भाजपा ने ईशा फाउंडेशन व जग्गी वासुदेव को हर संभव मदद का आश्वसन दिया

बैंगलुरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ भाजपा के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने रविवार को चिक्कबल्लापुर के अवलागुर्की में आदि योगी की 112 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। बैंगलुरु से लगभग 70 किलोमीटर दूर अवलागुर्की स्थित है। सत्तारूढ़ भाजपा ने ईशा फाउंडेशन और सद्गुरु जग्गी वासुदेव को चिक्काबल्लापुर जिले में अपने केंद्र को श्रद्धालुओं के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय गंतव्य के रूप में विकसित करने के लिए हर संभव समर्थन देने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने आदि योगी की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद कहा कि इस क्षेत्र में चहुंमुखी विकास होगा। हमारी सरकार हमारी संस्कृति को बनाए रखने वाली गतिविधियों का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि देश में संघर्ष है। संतुलन बनाए रखने के लिए आदि योगी की जरूरत है। राज्य के लिए सद्गुरु का आशीर्वाद रहेगा। पूरे कर्नाटक में विकास होगा। इसके पीछे एक ताकत है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. के सुधाकर ने कहा कि उनकी सरकार ईशा फाउंडेशन और चिक्काबल्लापुर में इसकी सभी योजनाओं को समर्थन देने का वचन देती है। वासुदेव ने घोषणा की कि चिक्काबल्लापुर एक अंतर्राष्ट्रीय गंतव्य बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कोने-कोने से लोग उत्साह और आनंद के लिए और जीने का शक्तिशाली तरीका जानने के लिए यहां पहुंच रहे हैं। चिक्काबल्लापुर में अपने बचपन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी मां ने एक पहाड़ी का दौरा किया जहां उन्होंने 11 साल की उम्र में दीक्षा ली थी।

शिव पुराण कथा के लिए मुस्लिम परिवार ने दी 60 एकड़ जमीन

– खड़ी फसल को काटा लाखों का नुकसान

औरंगाबाद ।महाराष्ट्र के परभणी में हिंदुओं के पांच दिवसीय शिव पुराण कथा के लिए एक मुस्लिम परिवार ने अपनी 60 एकड़ जमीन कथा के लिए आयोजकों को सौंप दी। मुस्लिम परिवार ने खेत में खड़ी हुई फसल को समय के पूर्व ही काट दिया। जिसके कारण उसे लाखों रुपए का नुकसान हुआ। धार्मिक आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए शोयब ने अपनी जमीन उपलब्ध कराई।

अमित शाह ने गुजरात में ओलंपिक 2036 की मेजबानी को लेकर प्रारंभिक तैयारियों की समीक्षा की

अहमदाबाद। गुजरात ने आगामी ओलंपिक 2036 की मेजबानी को लेकर प्रारंभिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में इस संबंध में एक उच्चस्तरीय बैठक मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और खेल मंत्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में रविवार को अहमदाबाद में आयोजित हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ओलंपिक 2036 में शामिल खेलों के आयोजन के लिए नरेन्द्र मोदी स्टेडियम के पास आकार लेने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव में अंतरराष्ट्रीय स्तर की बुनियादी सुविधाएं विकसित करने के लिए मार्गदर्शन दिया। केंद्रीय गृह मंत्री ने इस स्पोर्ट्स एन्क्लेव में आवश्यक ढांचागत सुविधाओं को समयबद्ध तरीके से तैयार करने की कार्ययोजना बनाने के दिशानिर्देश भी दिए। बैठक में उन्होंने गुजरात में ओलंपिक 2036 के खेलों के लिए राज्य सरकार की ओर से निर्धारित स्थलों पर भी ओलंपिक मानकों के अनुसार आवश्यक खेल बुनियादी ढांचा खिलाड़ियों और कोच आदि की आवास सुविधाओं सहित अन्य व्यवस्थाएं विकसित करने के लिए जरूरी मार्गदर्शन दिया। उन्होंने इस बैठक से पूर्व आयोजित हुई पहली बैठक में दिए गए सुझावों के संबंध में आगे बढ़ रहे कार्य की भी समीक्षा की।

नई तकनीक की जंग से लड़ने में सक्षम है सेना खुद में कर रही बदलाव : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शौर्य संध्या कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम 75 वें सेना दिवस के अवसर पर बेंगलुरु में आयोजित किया गया था। रक्षा मंत्री ने 75वें सेना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैं थल सेना दिवस पर कर्नाटक की इस पावन भूमि से उन सभी महान विभूतियों को नमन करता हूं जिनके त्याग और बलिदान के कारण हमारे देश की संप्रभुता एक और अखंड है। उन्होंने कहा यह आयोजन फील्ड मार्शल करियप्पा को भी एक श्रद्धांजलि है जो कि स्वयं कर्नाटक से संबंध रखते थे और उन्होंने आजाद भारत के पहले युद्ध में हमारी सेना का नेतृत्व किया था और सेना को सशक्त बनाने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में सेना की जमकर तारीफ की और उनके शौर्य को सलाम किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कितनी ही चुनौती क्यों न हो सेना ने धैर्य और वीरता से उनका मुकाबला किया है। सेना के लगातार नए समय के साथ बदलाव किया है। 6-7 दशकों में सुरक्षा चुनौतियों में भी बढ़ोतरी हुई है। जो चुनौतियां दस साल में देखी हैं वो पिछले सौ साल में भी नहीं देखी गई हैं। रक्षा मंत्री ने नई तकनीक की नई जंग को लेकर कहा कि दुनिया में ड्रोन इस्तेमाल में लाए जा रहे हैं। अंडर वॉटर ड्रोन चल रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल ज्यादा हुआ है और भारतीय सेना भी अपने को बदल रही है। कारगिल से लेकर गलवान और अब तवांग में भारतीय जवानों ने जिस तरह से शौर्य दिखाया उससे देश के लोगों के दिलों में विश्वास को और मजबूत बनाया है। रक्षा मंत्री ने भारत की दुनिया में बढ़ती लोकप्रियता का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दुनिया में भारत का कद बढ़ा है। पहले कोई भारत को गंभीर नहीं लेता था लेकिन अब भारत जब बोलता है तो पूरी दुनिया सुनती है। रूस और यूक्रेन के जंग के दौरान वहां हमारे भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए प्रधानमंत्री ने यूक्रेन के राष्ट्रपति रूस के राष्ट्रपति यहां तक की अमेरिका के राष्ट्रपति सबसे बात की। कुछ घंटों के लिए युद्ध स्थगित हो गया और भारतीयों को निकालना संभव हो गया। ये दिखाता है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का कद बढ़ा है।

राम मंदिर पर आतंकी हमले की साजिश, खुफिया एजेंसियों ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर को लेकर बड़ी खबर आ रही है। दरअसल, राम मंदिर पर आतंकी हमले को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। यह अलर्ट खुफिया एजेंसियों की ओर से जारी किया गया है। दावा किया जा रहा है कि आतंकवादी इसको लेकर लगातार प्लान बना रहे हैं। वह सुसाइड बॉम्बर से हमले करा सकते हैं। आतंकी हमले का प्लान जैश-ए-मोहम्मद की ओर से बनाया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि नेपाल के रास्ते जैश-ए-मोहम्मद भारत में सुसाइड स्क्वाड भेज सकता है। हालांकि, इसके बाद से ही अब सुरक्षा के चाक-चौबंद व्यवस्था कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश पुलिस भी अलर्ट मोड पर जा चुकी है।

साधु संत से लेकर लोकल ऑथरिटी भी इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं। हालांकि सुरक्षा के यहां पर पुख्ता इंतजाम हैं। जो सुरक्षा राम जन्मभूमि स्थल की पहले से थी उससे और अधिक सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अयोध्या ही नहीं, गणतंत्र दिवस को देखते हुए देश भर में कई शहरों में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। दिल्ली से लेकर पंजाब तक लगातार सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी गई है। पाकिस्तान का आईएसआईएस इसको लेकर डॉन दाऊद इब्राहिम के गुर्गों की भी मदद ले रहा है। 26 जनवरी के मौके पर दिल्ली और पंजाब में ब्लास्ट की रणनीति बनाई जा रही है। लेकिन हमारे खुफिया एजेंसी लगातार अलर्ट मोड पर है।

गणतंत्र दिवस के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सैनिकों की गश्त और तैनाती बढ़ा दी गई है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बीएसएफ की कश्मीर फ्रंटियर के पुलिस महानिरीक्षक अशोक यादव ने कहा, ''आतंकवादी संगठन हमेशा हिंसा करने की कोशिश करते हैं, लेकिन जवान सीमा पर सतर्क रहते हैं। हमारा प्रयास आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करना है। इस तरह के प्रयास सीमा पार से होते हैं, लेकिन हम उन्हें बलपूर्वक रोकते हैं।''

पहली बार किसी व्यक्ति से माफी मांगी मोदी ने

नई दिल्ली । एनआरआई व्यापारी दर्शन सिंह धालीवाल ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 150 लोगों के सामने उनसे माफी मांगी थी। धालीवाल का कहना है कि पीएम ने यह माफी उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट से जबरन वापस अमेरिका भेज दिए जाने के लिए मांगी है। धालीवाल को इंदौर में प्रवासी भारतीय सम्मेलन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रवासी भारतीय सम्मान से नवाजा है। सम्मान लेने के बाद एक इंग्लिश समाचार पत्र से बातचीत में अमेरिका के खरबपति धालीवाल ने पीएम के माफी मांगने को उजागर किया है। धारीवाल ने किसान आंदोलन के दौरान दिल्ली में किसानों के लिए मुफ्त लंगर चलाया था। किसान आंदोलन में करोड़ों खर्च किये थे। आंदोलन के लिए 23 अक्टूबर 2021 की रात को वे अमेरिका से दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरे थे। धालीवाल ने कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट पर अधिकारियों ने उन्हें दो विकल्प दिए थे। एयरपोर्ट से बाहर जाने से पहले किसानों के खाने-पीने के लिए चलाया जा रहा लंगर बंद करें। किसान नेताओं को मनाने के लिए वह सरकार के मध्यस्थ बनें। धारीवाल ने सहायता रोकने और मध्यस्थता करने से साफ मना कर दिया था। इस पर एयरपोर्ट अधिकारियों ने उन्हें अमेरिका की रिटर्न फ्लाइट में बैठाकर वापस भेज दिया था। दर्शन सिंह धालीवाल अनिवासी भारतीय बिजनेसमैन हैं। वह अमेरिका में रहते हैं। धालीवाल साल 1972 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के लिए अमेरिका गए थे। उनके अमेरिका में 1000 से अधिक फ्यूल स्टेशन हैं। उनका बिज़नेस कनाडा में भी फैला हुआ है।

चिराग का दावा...जदयू और राजद गठबंधन के बीच सबकुछ ठीक नहीं

पटना (एजेंसी)। रामचरितमानस को लेकर बिहार में नीतिश सरकार में शिक्षा मंत्री डॉ. चंद्रशेखर के बयान पर बवाल नहीं थमा है। लगातार भाजपा और जदयू चंद्रशेखर के बयान को लेकर उन पर हमलावर दिख रही है। इसके साथ ही राजद से लगातार कार्रवाई की मांग हो रही है। दरअसल चंद्रशेखर राजद कोटे से बिहार सरकार में शिक्षा मंत्री हैं। नीतीश भी कह चुके हैं कि वह मामले को लेकर चंद्रशेखर से बात करुंगा। इस बीच लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के नेता चिराग पासवान ने भी चंद्रशेखर को हटाने की मांग कर दी है। दरअसल चंद्रशेखर ने कहा था कि रामचरितमानस समाज में नफरत फैलाती है। उनके इस बयान की चिराग ने निंदा कर साफ तौर पर दावा किया है कि जदयू और राजद गठबंधन के भीतर लगातार संघर्ष बढ़ता जा रहा है।

अपने बयान में चिराग ने कहा कि अगर नीतीश कुमार अपने मंत्री के बयान से सहमत नहीं हैं तब उन्हें क्यों नहीं हटा रहे हैं? क्या उन्हें पद से हटाने की शक्ति नहीं है? वह इसकी जांच क्यों नहीं करा रहे हैं? हालांकि जदयू लगातार इस मामले को राजद का आंतरिक मामला बता रही है। हालांकि वह यह भी बात कर रही है कि हम सभी धर्मों का आदर करते हैं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रामनवमी के दिन तक शोभायात्रा में शामिल होते हैं। जदयू का दावा है कि राजद नेता के बयान से भाजपा को फायदा हो रहा है। वहीं राजद ने भी इस बयान पर भाजपा पर साजिश का आरोप लगा दिया है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा इसका इस्तेमाल कर 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले महागठबंधन में फूट डालने की कोशिश कर रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम सभी धर्म और ग्रंथों का सम्मान करते हैं। हालांकि चंद्रशेखर के बयान पर जब तेजस्वी से सवाल पूछा गया तब उन्होंने चुप्पी साध ली।

कर्नाटक में प्रियंका का बड़ा ऐलान, सत्ता में आने पर गृहणियों को प्रतिमाह दो हजार रुपये देगी कांग्रेस, भाजपा पर भी निशाना

बेंगलुरु। (एजेंसी)। कर्नाटक में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस में जबरदस्त उत्साह है। कांग्रेस कर्नाटक में महिला वोटरों को साधने की कोशिश में जुट गई है। इस कड़ी में प्रियंका गांधी लगातार कांग्रेस के लिए मेहनत करती हुई दिखाई दे रही हैं। आज प्रियंका गांधी बेंगलुरु पहुंची थीं जहां उन्होंने कर्नाटक चुनाव से पहले बड़ा ऐलान कर दिया। प्रियंका गांधी ने कहा कि कर्नाटक में सत्ता आने पर कांग्रेस प्रत्येक घर की एक ग्रहणी को 2000 रुपये प्रति माह नगद देगी। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधा।

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) द्वारा पैलेस ग्राउंड्स में आयोजित 'ना नायाकी' कार्यक्रम के दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस समिति की महासचिव ने कर्नाटक की महिलाओं से यह वादा किया। केपीसीसी के मुताबिक, 'गृह लक्ष्मी' योजना से 1.5 करोड़ गृहणियों को लाभ होगा। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने भाजपा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। अपने बयान में प्रियंका ने कहा कि मैं आपसे एक सवाल पूछना चाहती हूं, भाजपा सरकार आने के बाद आपका जीवन बेहतर हुआ? क्या कोई बदलाव आया? वोट देने से पहले पिछले कुछ सालों को देखिए और इसका मूल्यांकन कीजिए।

कांग्रेस महासचिव ने आगे कहा कि मुझे पता चला कि कर्नाटक में स्थिति बहुत खराब है, भ्रष्टाचार से 1.5 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि पीएसआई घोटाला शर्मनाक है, आप अपने बच्चों को शिक्षित करते हैं और आपको सत्ता में बैठे नेताओं से यह मिलता है। गौरतलब है कि इससे कुछ ही दिन पहले पार्टी ने राज्य में प्रत्येक परिवार को 200 यूनिट प्रतिमाह मुफ्त बिजली देने का भी वादा किया था। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव इस साल मई के आसपास होने हैं।

जमीन कब्जाने और दबंगई करने वालों को कड़ा कानूनी सबक सिखाया जाएगा : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आगाह किया कि जमीन पर कब्जा करने और दबंगई करने वालों को कड़ा कानूनी सबक सिखाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को यहां जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं और जमीन कब्जाने की कुछ शिकायतों पर उन्होंने कहा, ''सरकार हर गरीब के साथ खड़ी है, जमीन पर कब्जा करने और दबंगई करने वालों को करारा कानूनी सबक सिखाया जाएगा।'' उन्होंने आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और हर समस्या का जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण समाधान होगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, गोरखपुर के जनता दर्शन में कई फरियादी गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। योगी ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज बाधित नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सोमवार को यहां अनुष्ठान मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्ति मंदिर में रुद्राभिषेक भी किया।

खुद सड़क पर उतरे केजरीवाल, कहा- बच्चों की अच्छी शिक्षा रोकना चाहते हैं एलजी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में केजरीवाल सरकार और एलजी वीके सक्सेना के बीच टकराव खत्म होने की बजाए हर दिन एक नए स्तर पर पहुंच रहा है। खुद सीएम केजरीवाल सड़क पर उतर कर एलजी पर कई आरोप लगाए हैं। दिल्ली विधानसभा में भाजपा और आप पार्टी के विधायकों द्वारा एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी करने के बाद की सदन की कार्यवाही शुरू होते ही 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एलजी ने दिल्ली के टीचर्स को विदेश भेजने से रोक दिया। वो दिल्ली के बच्चों की अच्छी शिक्षा रोकना चाहते हैं। दिल्ली को तानाशाही नहीं बल्कि संविधान और जनतंत्र चाहिए। जनता के हक़ के लिए हमारा संघर्ष जारी रहेगा। यह बेहद खतरनाक है। न्यायिक नियुक्तियों में बिल्कुल सरकारी हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। दिल्ली विधानसभा की बैठक अस्थायी रूप से 16, 17 और 18 जनवरी के लिए निर्धारित की गई है। कार्य की अत्यावश्यकता के अधीन, सदन की बैठक को बढ़ाया जा सकता है। आज सबसे पहले सदस्य नियम 280 के तहत मुद्दे उठाएंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

3 साल की बच्ची को झांसा देकर कमरे में ले जाकर दुष्कर्म का प्रयास किया.

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में एक बार फिर एक बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है. सूरत के पांडेसरा इलाके से 3 साल की बच्ची के साथ छेड़खानी की घटना सामने आई है. नराधम बच्ची को भुंगल देने का झांसा देकर कमरे में ले गया। जहां उसने युवती के कपड़े उतार दिए और उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान बच्ची के जोर-जोर से रोने की आवाज से पड़ोस में रहने वाले लोग जमा हो गए थे। तो यह पूरा मामला सामने आया। इस घटना में पुलिस ने नराधम को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की है.

सूरत के पांडेसरा इलाके की तीन साल की बच्ची को रेप के लिए प्रयास किया जा रहा था। ,लोगों की सतर्कता और बच्चे की किलकारियों ने उसका चेहरा मुरझा गया। पांडेसरा थाने में तीन साल की बच्ची के साथ छेड़खानी का मामला दर्ज किया गया है. हालांकि अगर थोड़ी देर हो जाती तो

थाने में युवती से छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज हो जाती।

नराधम सूरत के पांडेसरा वडोद इलाके में 3 साल की बच्ची अपने घर के पास खेल रही थी. इसी बीच पास में रहने वाले नारदम अरविंद संतराम निषाद ने बच्ची को बहला-फुसलाकर दुष्कर्म किया। इसके बाद वह बच्ची को अपने कमरे में ले गया। किशोरी को कमरे में ले जाकर नरधम ने उसके साथ मारपीट की। नराधम लड़की को कमरे में ले गया और निर्वस्त्र कर दिया। उसके साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। बच्ची के रोने से बच गया नराधम दुष्कर्म से बालिका को निर्वस्त्र कर उसके साथ मारपीट कर रहा था। बाद में दुष्कर्म का प्रयास किया जा रहा था। इसी बीच बच्ची जोर-जोर से रोने लगी। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए। कमरे का दरवाजा तोड़कर बालिका को सुरक्षित बचा लिया गया। फिर घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

पुलिस ने नराधम युवक को गिरफ्तार कर लिया पांडेसरा पुलिस को सूचना मिली कि तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया जा रहा है तो पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने बच्ची के साथ मारपीट करने वाले नराधम अरविंद संतराम निषाद को तत्काल गिरफ्तार कर लिया. इस संबंध में एसीपी जेड. आर। देसाई ने बताया कि ३ साल की बच्ची घर के पास खेल रही थी। इसी दौरान आरोपी बच्ची को दुष्कर्म का झांसा देकर कमरे में ले गया। कमरे का दरवाजा बंद था। तो बच्चे के रोने से पड़ोसी चीख-पुकार मच गई थी। युवक कमरे में अकेला रहता था। फिर अपने कमरे से बच्ची के रोने की आवाज सुनकर लोगों को भी शक हुआ। इसलिए जब लोग वहां इकट्ठे हुए और दरवाजा खोला तो लड़की नंगी थी। इसलिए मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

मांगरोल के कांग्रेस के पूर्व विधायक रमण चौधरी का दिल का दौरा पड़ने से निधन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, सूरत के मांगरोल के पूर्व विधायक रमण चौधरी का आज सुबह निधन हो गया। कांग्रेस के सक्रिय नेता रहे रमण चौधरी का दिल का दौरा पड़ने से निधन हुआ है। रमण चौधरी का हाल ही में सूरत के अस्पताल में पथरी का ऑपरेशन किया गया था। जिसके बाद उन्हें कीम के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां आज सुबह उन्हें दिल का दौरा पड़ा और उसमें रमण चौधरी निधन हो गया। रमण चौधरी का आज ही अंतिम संस्कार किया जाएगा।

वरणामा के निकट ट्रेलर ने कार को मारी टक्कर कार में सवार 3 लोगों की मौत 2 गंभीर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा , नेशनल हाईवे 48 पर वरणामा गांव के निकट एक कार को ट्रेलर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में कार में सवार 2 लोगों की घटनास्थल पर और एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। जबकि 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब अहमदाबाद से एक परिवार कार में मुंबई की ओर जा रहा था। जानकारी के मुताबिक अमरेली के मूल निवासी नितेश सवजीभाई गोंडलिया मुंबई में रहते हैं। 15 जनवरी की शाम नितेश गोंडलिया की पत्नी संगीता गोंडलिया बेटी नियति और बेटे पूर्व के अलावा साले महेश नानजीभाई बांभरोलिया समेत पांच लोग अहमदाबाद से कार में मुंबई की ओर जा रहे थे। नेशनल हाईवे नंबर 48 से कार जब वडोदरा के वरणामा से गुजर रही थी उस वक्तएक ट्रेलर ने कार को पीछे से जबर्दस्त टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि कार आगे चल रहे ट्रेलर में जा घुसी। इस हादसे में ड्राइवर सीट के बगल में बैठे महेश बांभरोलिया नितेश गोंडलिया की बेटी की नियति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि नितेश गोंडलिया की पत्नी संगीता ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। कार में सवार नितेश गोंडलिया के बेटे समेत लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के लोग घटनास्थल पर जमा हो गए और कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

समुद्र के बीच बोट में लगी आग देवदूत बन आए कोस्टगार्ड ने 7 मछुआरों की बचाई जान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पोरबंदर ,पोरबंदर से करीब 50 किलोमीटर दूर एक बोट में अचानक आग लग गई। बोट में सवार मछुआरों ने पहले आग पर काबू पाने का प्रयास किया परंतु सफलता नहीं मिलने से समुद्र में छलांग लगा दी। घटना की खबर मिलते ही कोस्टगार्ड के जवान रेस्क्यू के लिए पहुंच गए और 7 मछुआरों को बचा लिया। जानकारी के मुताबिक पोरबंदर से 50 किलोमीटर दूर समुद्र में मच्छीमारी करने गए मछुआरों की बोट में अचानक आग लग गई। मछुआरों ने बोट में लगी आग बुझाने का प्रयास किया परंतु आग फैलती देख समुद्र में कूद गए। सुबह 9.45 बजे के आसपास कोस्टगार्ड को घटना की खबर मिली और वह तुरंत रेस्क्यु के लिए घटनास्थल की और रवाना हो गए। दूसरी ओर पोरबंदर के कोस्टगार्ड एयर स्टेशन से एक एडवांस लाइट हेलिकॉप्टर ने भी उड़ान भरी। करीब 20 मिनट में हेलिकॉप्टर घटनास्थल पर पहुंच गया। बोट में सवार 7 में से दो मछुआरों को पहले ही निकट की एक बोट द्वारा बचा लिया या था। जबकि अन्य 5 लोगों को कोस्टगार्ड ने तेज हवा के बीच दो घंटे की मशक्कत के बाद हेलिकॉप्टर से एयरलिफ्ट किया। सभी 5 लोगों को 1 बजे पोरबंदर लाया गया।

पांडेसरा में क्रिकेट की लड़ाई को लेकर युवक की चाकू मारकर हत्या,एक युवक की मौत

पुलिस ने 24 वर्षीय शिवा की हत्या करने वाले 19 वर्षीय दुर्गेश पांडेय को गिरफ्तार किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पांडेसरा में क्रिकेट खेलने को लेकर पहले हुए विवाद को निपटाने के लिए बुलाए जाने पर एक युवक की चप्पू से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्या के कुछ ही घंटों में हत्यारे को दबोच लिया। मृतक ने पुलिस के सामने कबूल किया कि जब युवक ने उस पर चप्पू से हमला करने की कोशिश की तो उसने चप्पू पकड़कर उस पर झपट लिया.

पांडेसरा गोवालक रोड आशापुरी सोसायटी के पीछे सनातन हीरा नगर निवासी शिव भगवानदास साहू (24) का 5 जनवरी को क्रिकेट खेलने को लेकर पांडेसरा भक्ति नगर निवासी दुर्गेश उर्फ दीपक विनोद पांडे (19) से झगड़ा हो गया था। 14 तारीख को पांडेसरा बमरोली रोड पंचमुखी हनुमान मंदिर के सामने नाकोड़ा मैदान में दुर्गेश उर्फ दीपक ने शिव पर चप्पू से हमला कर दिया और फरार हो गया. दुर्गेश के हमले में गंभीर रूप से घायल शिवा को इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पांडेसरा पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरूकर दी है। इस बीच रविवार रात इलाज के दौरान शिवा की मौत हो गई। लिहाजा पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर हत्यारे दुर्गेश की तलाश की और कुछ ही घंटों में उसे पकड़ लिया। उससे पूछताछ में दरगेश ने पुलिस के सामने कबूल किया कि वह अपने दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने गया था। तब शिव और उनके दोस्तों ने पिछली लड़ाई की दुश्मनी रखी और उन्हें दो या तीन बार थप्पड़ मारे और उनके दोस्त उन्हें बल्ले से मारने के लिए दौड़े, जबकि शिव ने उन्हें अपने चप्पू से मारने की कोशिश की, उन्होंने शिव के हाथ से चप्पू खींच लिया और उन्हें अंदर मार दिया। पेट। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

आरोपी दुर्गेश उर्फ दीपक पांडेय ने सुलह के बहाने शिवा को बुलाया और क्रिकेट की लड़ाई के बाद सुलह के बहाने क्रिकेट के मैदान में बुला लिया. जब दुर्गेश ने सुलह के बहाने शिव को बुलाया तो उनके दोस्त भी उनके साथ मौजूद थे। शिव और दुर्गेश दोनों बात कर रहे थे कि अचानक दुर्गेश ने शिव को अपने पैडल से थप्पड़ मार दिया, इससे पहले कि शिव या उनके दोस्त कुछ समझ पाते। दुर्गेश घटना स्थल से फरार हो गया। लेकिन शिवा गंभीर रूप से घायल हो गया और अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

सचिन के दो बाइक सवार दोस्तों को ट्रक ने मारी टक्कर, एक की मौत

तलंगपुर के पास एक अधेड़ को कंटेनर ने कुचल दिया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सचिन अपैरल पार्क के पास अज्ञात वाहन चालक की टक्कर से दो दोस्तों की मौत हो गई। हादसे की एक अन्य घटना में दोस्त के साथ खरीदारी करने गए युवक की बाइक डिवाइडर से टकरा जाने से मौत हो गई। इसके अलावा सचिन जीआईडीसी में भी रविवार को भागे कंटेनर चालक ने साइकिल सवार को कार और एक मां-बेटे को खंभे से टकरा कर टक्कर मार दी. इस घटना में एक अधेड़ साइकिल सवार की भी मौत हो गई।

रविवार की रात भी सचिन तलंगपुर के पास एक कंटेनर चालक ने कंटेनर से नियंत्रण खो दिया और साइकिल से गुजर रहे बिपिन अकुल शाहू (50) को बिजली के खंभे और खड़ी कार से टकरा कर कुचल दिया. जीनल चौहान (24) और अपने बेटे क्रियांश (1) को अदफेट ले गए। इस हादसे में बिपिन शाहू की मौके पर ही मौत हो गई।

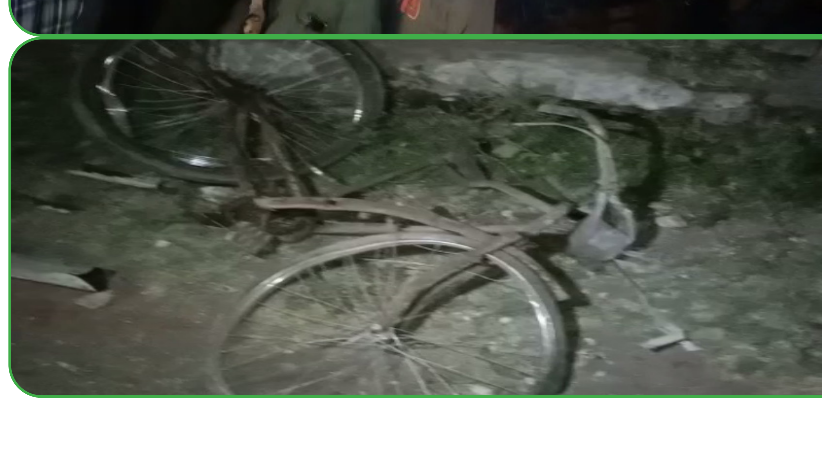

अप्राकृतिक यौन संबंध की मांग करने वाले युवक को अधेड़ ने मौत के घाट उतार दिया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पंचमहल , हालोल के रवालिया गांव से हैरान कर देनेवाली घटना सामने आई है। जिसमें अधेड़ ने उस युवक को मौत घाट उतार दिया जो अप्राकृतिक संबंध बनाने की मांग कर रहा था। हालोल पुलिस ने अधेड़ आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी मुताबिक पंचमहल जिले की हालोल तहसील के रवालिया गांव निवासी 34 वर्षीय सुमन चंद्रसिंह परमार 7 जनवरी को लापता हो गया था। शुरूआत के दो-तीन खोजबीन के बाद सुमन के बड़े भाई ने हालोल रूरल पुलिस थाने में अपने भाई की गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। दूसरी ओर परिवार ने भी सुमन की तलाश जारी रखी। 8 दिन बीतने के बावजूद सुमन की कोई खैर खबर नहीं मिलने पर पुलिस ने उसके यार-दोस्तों से पूछताछ की। उस दौरान 59 वर्षीय रणछोड़ भीमाभाई राठवा की संदिग्ध गतिविधियों ने पुलिस के मन में शंका पैदा कर दी। रणछोड़ राठवा हालोल तहसील के नवागाम निवासी है। संदेह के आधार पर पुलिस ने रणछोड़ राठवा से कड़ी पूछताछ की जिसमें वह टूट गया और बताया कि उसने ही सुमन की हत्या की है। हत्या के कारण सुनकर पुलिस समेत सुमन के परिजन भी चौंक पड़े। रणछोड़ राठवा ने बताया कि सुमन उस पर अप्राकृतिक यौन संबंधों की मांग कर रहा था। लेकिन उसने ऐसा करने से इंकार कर दिया। जब सुमन ने उस पर अप्राकृतिक यौन संबंधों के लिए दबाव बनाना शुरू किया तब उसे मार देने की योजना बनाई। योजना के तहत सुमन को नवागाम स्थित अपने खेत में बुलाया जहां बनी एक झुग्गी के भीतर उसे ले गया। सुमन के झुग्गी के भीतर घुसते ही रणछोड़ ने उस पर कुल्हाड़ी के कई वार कर मौत के घाट उतार दिया। जिसके बाद लहूलुहान सुमन के शव को अपने खेत में गड्ढा खोदकर उसमें दफना दिया। सुमन की मोटर साइकिल भी नर्मदा नहर के निकट छोड़ आया7 हत्या के बाद रणछोड़ सुमन के परिजन के साथ उसकी तलाश में जुटा रहा और समय समय पर उसका मोबाइल स्वीच ऑफ और ऑन करता रहा। लेकिन पुलिस ने मृतक सुमन के कॉल डिटेइल और रणछोड़ की संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर हत्या के मामले का पर्दाफाश कर दिया। रणछोड़ से मिली जानकारी के आधार पर उसके खेत से सुमन का शव भी बरामद कर लिया। पुलिस ने रणछोड़ राठवा के खिलाफ दफा 302,201 और जीपी एक्ट 135 के तहत केस दर्ज कर आगे कार्यवाही शुरूकी है।

बहन की इच्छा पूर्ण करने अमेरिका से आकर भाई ने सिविल अस्पताल को 75 लाख का दान दिया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

शहर के सिविल अस्पताल को रु 75 लाख दान स्वरूप प्राप्त हुए हैं और व्यक्तिगत दान में मिली यह रकम अब तक की सबसे बड़ी रकम है। इतनी बड़ी रकम का दान एक भाई ने अपनी बहन की अंतिम इच्छा पूर्ण की है। खेडा जिले की नडियाद तहसील के पीज गांव निवासी उर्वशीबेन का बीमारी की वजह से 13 जनवरी 2022 को निधन हो गया था। जीवन के अंतिम दिनों में उर्वशीबेन ने जन कल्याण का कार्य करने के लिए दान करने की अंतिम जाहिर करते हुए अपनी वसीयत में इसका उल्लेख किया था। उर्वशीबेन उर्वशीबेन के भाई नरेन्द्र अमेरिका में रहते हैं जिन्होंने अपनी बहन की इच्छा पूरी करने का फैसला किया। इसके लिए नरेन्द्रभाई अमेरिका से अहमदाबाद आए और शहर के सिविल अस्पताल को रु 75 लाख का दान दिया। रु 75 लाख के दान को सिविल अस्पताल में व्यक्तिगत स्तर पर अब तक का सबड़े बड़ा दान बताया जा रहा है। नरेन्द्रभाई ने बताया कि उनकी बहन उर्वशी ने जीवनभर जन कल्याण के कार्य किए हैं। एक एक पैसा जोड़कर उन्होंने परिवार का जीवनयापन किया। उर्वशीबेन साड़ी की दुकान चलाती थीं और जीवनभर आत्मनिर्भरता की विचारधारा का पालन करते हुए किसी के सामने हाथ नहीं फैलाए। पिछले वर्ष बीमारी के चलते उनका निधन हो गया। जीवन के अंतिम दिनों में उर्वशीबेन ने जन कल्याण के कार्य करने की अंतिम इच्छा अपने वसीयत में उल्लेख किया था7 आज उस इच्छा को पूर्ण कर काफी गौरवन्वित महसूस कर रहा हूं। सिविल अस्पताल में आवश्यक साधन सामग्री उपकरण वार्ड में सेवाओं के लिए रु 75 लाख का दान दिया है। सिविल अस्पताल के सुप्रिटेन्डन्ट डॉ. राकेश जोशी ने बताया कि अहमदाबाद सिविल अस्पताल में दान की धारा बहती रहती